

'अगले 30 साल तक भी सरकार नहीं बना पाएगी कांग्रेस': अमित शाह

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधस्तिवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि धरने-प्रदर्शनों से कुछ हासिल नहीं होगा तथा भाजपा अगले 30 साल तक सत्ता में बनी रहेगी, क्योंकि पार्टी जनता के बीच रहती है और उनकी समस्याओं को उठाती है।

यमुना की सफाई के लिए 8,941 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए शाह ने दिल्ली की पिछली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) सरकारों पर नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए कुछ भी नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि "बहानेबाजी की राजनीति" ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी तथा अगले साल पंजाब विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का "सफाया" हो

जाएगा।

शाह ने गांधी पर दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने के लिए दूसरे राज्यों से पार्टी कार्यकर्ताओं को जुटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे भाजपा को मिले जनादेश को खारिज नहीं कर सकते। शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर बिना पूर्व सूचना के विदेश यात्राओं को लेकर तंज कसते हुए कहा, "देश के लोग आपको समझते हैं। आप मेरी बात नहीं सुन सकते, क्योंकि आप कहीं विदेश में बैठे हैं और यह भी नहीं बताते कि विदेश क्यों गए हैं? कोई बात नहीं, क्योंकि यह आपका निजी जीवन है।" उन्होंने कहा कि अगले 30 साल तक भी गांधी के सत्ता में आने का कोई मौका नहीं है। शाह ने कहा, "भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता के बीच रहते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और उन्हें हल करने के लिए लगातार काम करते हैं।" मुख्य निर्वाचन आ्युक्त



ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कथित वोट चोरी को लेकर गांधी के नेतृत्व में हाल में हुए विपक्षी दलों के प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, "आप राजनीतिक साजिशों और भीड़तंत्र के जरिए देश की जनता के जनादेश को झुठला नहीं सकते।" उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस और गांधी चुनाव जीतना चाहते हैं, तो उन्हें जनता के बीच जाना होगा, उनकी समस्याओं को उठाना होगा और जिन राज्यों में उनकी पार्टी की सरकार है, वहां लोगों के कल्याण के लिए योजनाएं

तथा वह वोट चुराती है।" उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल 'वोट चोरी' के बहाने देश में घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये दल— जो पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ और अब 'वोट चोरी' जैसे बहाने बनाते रहे हैं—कई राज्यों में दशकों से सत्ता से बाहर हैं। शाह ने कहा कि कांग्रेस गुजरात और उत्तर प्रदेश में 41 साल, पश्चिम बंगाल में 54 साल और तमिलनाडु में 64 साल से सत्ता से बाहर है। वहीं, राजस्थान और मध्यप्रदेश में भी वह 28 साल से पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बना पाई है। शाह ने बताया कि "यह सब नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने से पहले हुआ था।" उन्होंने कहा कि विपक्ष के वोट चोरी करने के आरोपों के बावजूद, भाजपा 30 साल तक सत्ता में बनी रहेगी। उन्होंने कहा, "अमित शाह यहीं पैदा हुआ है, यहीं रहता है और यहीं रहेगा।"

महाराष्ट्र विधान परिषद की 5 सीटों पर मतदान आज, 182 उम्मीदवार मैदान में

मुंबई, 22 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों के लिये शुक्रवार को होने वाले चुनावों में सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महा विकास अघाडी अपनी ताकत आजमाने के लिए तैयार हैं। इन सीटों पर कुल 182 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य की 78 सदस्यीय विधान परिषद में पांच सीटों— तीन स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों—के लिए द्विवार्षिक चुनाव होने हैं।

ये निर्वाचन क्षेत्र हैं: पुणे संभाग स्नातक, नागपुर संभाग स्नातक, पुणे संभाग शिक्षक, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) स्नातक और अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र। एक आधिकारिक विज्ञपति के अनुसार, शुक्रवार को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। चुनाव प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।



संबंधित भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले पंजीकृत स्नातक और शिक्षक इन चुनावों में मतदान करने के पात्र हैं। पांच निवर्तमान सदस्य, जिनका कार्यकाल छह दिसंबर को समाप्त हो रहा है, वे हैं सतीश चव्हाण (छत्रपति संभाजीनगर स्नातक), अरुण लाड (पुणे स्नातक), अभिजीत वंजारी (नागपुर स्नातक), किरण सरनाईक (अमरावती शिक्षक) और जयंत असगांवकर (पुणे शिक्षक)। महायुति - जिसमें भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं - और विपक्षी महा विकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन - जिसमें कांग्रेस, शरद पवार

के नेतृत्व वाली राकांपा (शप) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) शामिल हैं - सभी पांच सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा ने नागपुर स्नातक, पुणे स्नातक और पुणे शिक्षक सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि राकांपा छत्रपति संभाजीनगर स्नातक सीट से और शिवसेना अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रही है। एमवीए खेमे में, कांग्रेस नागपुर स्नातक और पुणे शिक्षक निर्वाचन सीटों पर चुनाव लड़ रही है; राकांपा (शप) ने पुणे और छत्रपति संभाजीनगर स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि शिवसेना (उबाठा) अमरावती शिक्षक निर्वाचन सीट के लिए मैदान में है। कुल 10,68,072 मतदाता 2,419 मतदान केंद्रों पर अपना वोट डालने के पात्र हैं।

'यूक्रेन और पश्चिम एशिया में शांति के लिए हर कोशिश का समर्थन करेगा भारत: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पोलैंड के अपने समकक्ष डोनाल्ड टस्क के साथ व्यापक बातचीत के बाद कहा कि भारत, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में शांति लाने के हर सार्थक प्रयास का समर्थन करना जारी रखेगा। यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर हो रहे नए प्रयासों के बीच टस्क तीन दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। बातचीत के बाद अपने मीडिया बयान में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी को विस्तार देने के लिए कई निर्णय लिए गए हैं और दोनों पक्ष आपसी सहयोग को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रों में संबंधों को और गहरा करने पर सहमति बनाई है। हम पोलैंड की



कंपनियों को आमंत्रित करते हैं कि वे इन सभी रणनीतिक क्षेत्रों में भारत के साथ मिलकर विकास और उत्पादन (को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन) के काम में शामिल हों।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बढ़ती द्विपक्षीय आर्थिक ताकत ने भारत-पोलैंड साझेदारी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूरोपीय संघ के साथ नई दिल्ली का मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के

बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, भारत और पोलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन में विश्वास करते हैं। हमारा मानना है कि वैश्विक शासन संस्थाओं को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए सुधार जरूरी हैं। उन्होंने आगे कहा, चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया भारत शांति की दिशा में किए जा रहे हर सार्थक प्रयास का समर्थन करना जारी रखेगा।

वोट चोरी एक साबित हकीकत, जयराम रमेश बोले- झूठ के जरिए ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा इकोसिस्टम

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला करते हुए, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को उन पर झूठ फैलाकर लोगों का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का इकोसिस्टम हताशा और घबराहट में है। कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता ने केंद्र सरकार पर मतदाता सूची में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया और कहा कि वोट चोरी एक साबित हो चुकी सच्चाई है। एक्स पर एक पोस्ट में जयराम ने लिखा वोट चोरी एक साबित हो चुकी सच्चाई है। एक (चुनाव आयोग) के अपने आंकड़ों के अनुसार, 10 करोड़ से अधिक भारतीयों के सामने अपना संवैधानिक वोटिंग अधिकार खोने का खतरा है। एकने नए मतदाताओं के

लिए रुकावटें पैदा करने के लिए 'फॉर्म 6' में गैर-कानूनी तरीके से बदलाव किए हैं। इसने चुनिंदा लोगों के नाम हटाने के लिए 'फॉर्म 7' के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग को बढ़ावा दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) पर निशाना साधते हुए, उन्होंने कहा कि CEC ने सभी कानूनी सुरक्षा उपायों को दरकिनार कर दिया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के नागरिकों में भारी गुस्सा है और सत्ताधारी दल के दमन के



बावजूद देशभर में विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, "CEC ने

सभी कानूनी सुरक्षा उपायों को दरकिनार करते हुए, मतदाता सूची पर अपना नियंत्रण केंद्रित करने के लिए ECINET का इस्तेमाल किया है। देश में भारी आक्रोश है।

लोगों में बहुत गुस्सा है और दमन के बावजूद विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जोड़ी पूरी तरह से बेनकाब हो गई है और जनता उनसे

जवाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का इकोसिस्टम, अपनी हताशा और घबराहट में, अब लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। वे वही कर रहे हैं जो उनके DNA में है झूठ फैलाना। लेकिन वे सफल नहीं होंगे। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जोड़ी पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है और जनता उनसे जवाब मांगेगी।

“आपकी यादें आज भी हमारे दिलों में जीवित हैं”



आप भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपका आशीर्वाद सदैव हमारे साथ है और हमेशा रहेगा।

स्व. बहादुर प्रजापति

25वीं पुण्यतिथि पर

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

दिनांक 23 अक्टूबर 2026 पर हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

स्मृतियाँ हमारे हृदय में सदैव अमर रहेंगी।

विनम्र श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन

शोकाकुल परिवार

राजेश प्रजापति
कमलेश प्रजापति

प्रीत्युश प्रजापति
रितेश प्रजापति

पुण्यतिथि: 23 अक्टूबर 2026



मेवा भारती जौनपुर, काशी प्रांत
हादा आयोजित

॥ श्री राम कथा ॥

दिनांक : 21 अक्टूबर 2026 से 29 अक्टूबर 2026

स्थान - बी. आर.पी. इंटर कॉलेज मैदान, जौनपुर

कथा समय - अपराह्न 3 बजे से सांय 6 बजे तक

भव्य कलश यात्रा एवं झांकी

दिनांक : 20 अक्टूबर 2026, सुबह 09:00 बजे से

हनुमान घाट से केरारवीर मंदिर
चहारसू चौराहा ओलन्दगंज,
पॉलिटेक्निक चौराहा,
वाजिदपुर तिराहा,
बी.आर.पी. इण्टर कॉलेज, मैदान

कथा व्यास : परम्पूज्य
आचार्य शान्तनु जी महाराज

आप सभी
रामचरणानुगामी भक्तजन
सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य आयोजक

ज्ञान प्रकाश सिंह

जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती



-ललित गर्ग

स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघौंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम



हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाण्ा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अनपेक्षित निम्नम से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।

यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हो आं श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुमाना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सरस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों के निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पतियों न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की निर्यति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघौंटू हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

सिनेमाई पुनर्जागरण: धार्मिक फिल्मों का नया स्वर्णिम दौर



अशोक भाटिया

भारतीय सिनेमा के सौ से अधिक वर्षों के इतिहास में समय-समय पर कई वैचारिक और विधागत बदलाव आए हैं। कभी यहाँ 'एंग्री यंग मैन' का सामाजिक विद्रोह पदें

पर हावी था, तो कभी मध्यवर्गीय परिवारों की रोजमर्रा की कशमकश को सिनेमाई कैनवास पर उकेरा जाता था। एक दौर वह भी आया जब विदेशी लोकेशन और प्रवासी रोमांस की कहानियों ने करोड़ों दिलों को धड़काया। लेकिन आज, यानी साल 2026 की दहलीज पर खड़े होकर जब हम देश के सिनेमाई परिदृश्य का बारीकी से विश्लेषण करते हैं, तो एक अभूतपूर्व, अखंड और अत्यंत स्पष्ट रूझान उभरकर सामने आता है। आज का भारतीय दर्शक काल्पनिक और पश्चिम से आयातित कहानियों के मायाजाल से पूरी तरह बाहर निकलकर अपनी जड़ों, अपनी सांस्कृतिक विरासत और अपने सनातन गौरव की ओर लौट रहा है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही महात्माकांक्षी फिल्म 'रामायण: द राइज ऑफ ए लीजेंड' की एडवांस बुकिंग का जो ऐतिहासिक और अकल्पनीय क्रैज देखने को मिल रहा है, वह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत में अब धार्मिक और पौराणिक फिल्मों

का एक नया स्वर्णिम दौर शुरू हो चुका है। महज कुछ ही घंटों में लाखों टिकटों का बिक जाना, प्रीमियम सिनेमाघरों में एक टिकट की कीमत 22,600 के पार पहुंच जाना और रिलीज से हफ्तों पहले करोड़ों रुपये का एडवांस कलेक्शन कर लेना—यह केवल किसी एक फिल्म की व्यावसायिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय जनमानस की उस सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक प्यास का प्रकटीकरण है, जिसे मुख्यधारा का सिनेमा लंबे समय से नजरअंदाज करता आ रहा था।

पिछले कुछ वर्षों में दर्शकों की पसंद में आया यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ है, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हुए हैं। पुराने दौर में धार्मिक या पौराणिक कहानियों को केवल टेलीविजन के सीमित बजट और बुनियादी विशेष प्रभावों के सहारे देखा जाता था। रामानंद सागर की 'रामायण' और बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' ने अपने समय में इतिहास तो रचा, लेकिन वह दौर तकनीक के मामले में बहुत पीछे था। आज का युवा दर्शक 'मार्वल' और 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' जैसी हॉलीवुड फिल्मों के विजुअल इफेक्ट्स देखकर बड़ा हुआ है। जब भारतीय फिल्म निर्माताओं ने हमारी अपनी समृद्ध और अंततः पौराणिक कथाओं को हॉलीवुड स्तर के वीएफएक्स, 3उ तकनीक और विश्व स्तरीय सिनेमैटोग्राफी के साथ पेश करना शुरू किया, तो दर्शकों का अनुभव पूरी तरह बदल गया। 'रामायण' जैसी फिल्मों में दिख रहा अकल्पनीय विजुअल वैभव ही है जो युवा पीढ़ी को 22,600 से अधिक की महंगी टिकट खरीदने के लिए प्रेरित कर

रहा है। इसके साथ ही, आज का युवा भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर अत्यधिक जागरूक और गौरवान्वित है। वह अब पश्चिम के काल्पनिक सुपरहीरोज की बजाय अपने देश के वास्तविक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक नायकों को पदें पर देखना चाहता है। भगवान राम, श्री कृष्ण और महादेव के चरित्रों में जो नैतिक मूल्य, वीरता और जीवन दर्शन छिपा है, वह आधुनिक समाज के लिए मार्गदर्शक का काम करता है। धार्मिक फिल्में दर्शकों को अपनी जड़ों से जुड़ने का एक ऐसा माध्यम प्रदान करती हैं, जो मनोरंजक होने के साथ-साथ अत्यंत गौरवमयी भी



होता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ओटीडी प्लेटफॉर्मस के आने के बाद सिनेमाघरों से परिवारिक दर्शक कहीं न कहीं दूर हो गए थे, क्योंकि समकालीन मुख्यधारा के सिनेमा में अश्लीलता, हिंसा और गाली-गलौज की बहुलता बढ़ गई थी। ऐसे माहौल में, धार्मिक और पौराणिक फिल्में एक ऐसे सुरक्षित और पावन विकल्प के रूप में उभरी हैं, जिसे दादा-दादी से लेकर पोते-पोती तक, पूरा परिवार एक साथ बैठकर सिनेमाघर के बड़े पर्दे पर देख सकता है। यह 'सामूहिक सिनेमा' के उस सुनहरे दौर को वापस लाया है, जहाँ थिएटर एक व्यावसायिक जगह न रहकर एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लेते हैं।

यदि हम केवल आंकड़ों और जमीनी हकीकत पर नजर डालें, तो इस फिल्म को लेकर चल रहा उन्माद

भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहा है। मुंबई के प्रीमियम सिनेमाघरों जैसे कि मैसन आईनॉक्स जियो वर्ल्ड प्लाजा में इसके हिंदी 3D इनसिग्निया शो के एक टिकट की कीमत रु. 2,620 तक पहुंच चुकी है, जो कन्वीनियंस फीस के साथ रु. 2,690 पड़ती है, जबकि कुछ थिएटरस में रित्नाइनर सीटों की कीमत रु. 2,770 तक जा चुकी है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अपने पहले ही दिन रु. 5.44 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन एडवांस बुकिंग के जरिए कर लिया है और अब तक करीब 92,000 टिकटें बिक चुकी हैं। इस एडवांस बुकिंग कलेक्शन में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग पचासवें प्रतिशत हिंदी वर्जन का है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर रु.1.42 करोड़ के साथ सबसे आगे है और मुंबई रु.1.01 करोड़ के कलेक्शन के साथ दूसरे नंबर पर बना हुआ है। दर्शकों की भारी मांग को देखते हुए सिनेमाघरों में सुबह 6:00 बजे और 6:45 बजे के अर्ली-मॉर्निंग शोज के साथ-साथ देर रात 11:59 बजे के नाइट शोज भी शेड्यूल किए गए हैं। इतना ही नहीं, फिल्म ने रिलीज से पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों जैसे यूएस, कनाडा, यूके और ऑस्ट्रेलिया में 1 मिलियन डॉलर यानी करीब सात से आठ करोड़ रुपये से अधिक की एडवांस बुकिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि जब सामग्री दर्शकों की आत्मा और उनकी आस्था से जुड़ती है, तो कीमत और समय जैसी भौतिक बाधाएं पूरी तरह अर्थहीन हो जाती हैं।

धार्मिक फिल्मों के इस नए दौर की सबसे खूबसूरत विशेषता यह है कि यह भाषाई और क्षेत्रीय दीवारों को पूरी तरह से दहा रहा है। अतीत में,

राफेल की गर्जना से सारंग के सलाम तक... गंगा ने देखा भारत का शौर्य



-सुरेश गांधी

सुबह के नौ बजे हैं। सूरज की किरणें तीखी होने लगी हैं। गंगा किनारे नमो घाट पर लोगों की भीड़ जुट रही है। किसी के हाथ में मोबाइल है, कोई कैमरे का लेंस आसमान की ओर साधे है, तो कोई अपने बच्चों को समझा रहा है कि आज उन्हें भारतीय वायुसेना के जांबाजों का अद्भुत कौशल देखने को मिलेगा। चेहरों पर उत्पुष्कता है, आंखों में प्रतीक्षा और मन में देश के शौर्य को अपनी आंखों से देखने का उत्साह। मैं भी इसी भीड़ का हिस्सा हूँ। पत्रकार के रूप में अनेक आयोजन देखे हैं, सदा के गलियारों से लेकर आम आदमी की उम्मीदों तक को शब्दों में पिरोया है, लेकिन आज का अनुभव कुछ अलग है। आज खबर केवल देखनी नहीं, महसूस भी करनी है। आज आसमान में उड़ने वाले विमान सिर्फ सैन्य मशीनें नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, हमारे जवानों के अनुशासन और देश की रक्षा के संकल्प के प्रतीक हैं। काशी के लिए यह अवसर इसलिए भी खास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में भारतीय वायुसेना का यह भव्य हवाई प्रदर्शन लोगों को अपनी वायुसेना की ताकत से रूबरू करा रहा है। ह्रदयंगम ओवर गॉलैंड की तैयारियों के बीच नमो घाट से अस्सी घाट तक आसमान में होने वाली गतिविधियों ने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। काशी में भारतीय वायुसेना के हवाई प्रदर्शन को लेकर लोगों में गजब का उत्साह है। सुबह नौ बजे से दोपहर 2:40 बजे तक लोग चिलचिलाती धूप में डटे रहे। न गमीं ने उनके कदम पीछे खींचे, न लंबे इंतजार ने उनके उत्साह को कम किया। हर बार जब दूर से विमान की आवाज सुनाई देती, सैकड़ों निगाहें एक साथ आसमान की ओर उठ जातीं। कोई विमान की पहचान करने की कोशिश करता, कोई उसकी गति देखकर रोमांचित होता और कोई अपने मोबाइल में उस क्षण को कैद करने लगता। फिर वह घड़ी आई, जब आसमान में लड़ाकू विमानों की गर्जना गुंजन लगी। अब तक धूप की तपिश से जूझ रही भीड़ मानो अपना सारा अरहज भाव भूल गई। चेहरे खिल उठे, मोबाइल कैमरे सक्रिय हो गए और हर उड़ान के साथ रोमांच बढ़ता गया। सच कहूं तो उस समय लगा कि धूप शरीर को जरूर तपाती है, लेकिन जब मन देश

के शौर्य और सामर्थ्य से भर उठे तो उत्साह के आगे उसकी तपिश भी बेअसर हो जाती है।

राफेल की गर्जना, आधुनिक भारत की ताकत आसमान में आधुनिक लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनाई दी तो मन में सबसे पहले उस तकनीकी विकास का विचार आया, जिसने भारत की वायुशक्ति को नई पहचान दी है। राफेल जैसे बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान आधुनिक हवाई युद्ध की बदलती जरूरतों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्नत सेंसर, आधुनिक एवियोनिक्स और विभिन्न प्रकार के मिशन को अंजाम देने की क्षमता इसकी खासियत है। राफेल की ताकत केवल उसकी गति या आकाश में उसकी मौजूदगी तक सीमित नहीं है। आधुनिक युद्ध में दुश्मन की पहचान, परिस्थितियों का आकलन, सटीक निर्णय और मिशन को प्रभावी ढंग से अंजाम देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस लिहाज से राफेल भारतीय वायुसेना की आधुनिक क्षमताओं का प्रमुख हिस्सा है। काशी के लोगों के लिए ऐसे लड़ाकू विमानों को अपने शहर के आसमान में देखना किसी रोमांचक दृश्य से कम नहीं था। टीवी स्क्रीन पर दिखाई देने वाले विमान जब सिर के ऊपर से गर्जना करते हुए गुजरते हैं, तो उनकी उपस्थिति का प्रभाव कहीं अधिक गहरा हो जाता है। उस क्षण महसूस होता है कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के विश्वास और सामर्थ्य का प्रश्न है।

सुखोई की फुर्ती, तेजस की स्वदेशी उड़ान राफेल के साथ सुखोई-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना की प्रमुख हवाई क्षमताओं का महत्वपूर्ण आधार है। दो इंजनों वाला यह लड़ाकू विमान अपनी गतिशीलता, लंबी दूरी तक उड़ान भरने की क्षमता और बहुउद्देश्यीय भूमिका के लिए जाना जाता है। इसकी विशेषताएं बताती हैं कि आधुनिक वायुसेना को केवल तेज गति वाले विमान नहीं, बल्कि अलग-अलग परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से काम करने वाले प्लेटफॉर्म चाहिए। वहीं, स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान तेजस देश की विमानन तकनीकों में आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रतीक है। इसके पीछे भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और परीक्षण दलों की वर्षों की मेहनत है। किसी स्वदेशी विमान को विकसित करना केवल मशीन तैयार करना नहीं, बल्कि डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और निरंतर सुधार की जटिल प्रक्रिया से गुजरना है। तेजस की उड़ान में इसलिए एक अलग गर्व का भाव जुड़ जाता है। यह भारत की उस क्षमता का परिचय है, जिसमें देश अपनी जरूरतों के अनुरूप आधुनिक विमानन तकनीक विकसित करने की दिशा में आगे बढ़



राहा है।

मिराज, मिग और जगुआर की अपनी अलग पहचान भारतीय वायुसेना की ताकत को केवल उसके नए विमानों से नहीं

लड़ाकू विमानों की गर्जना ने आसमान को रोमांच से भर दिया था, लेकिन सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का प्रदर्शन अपने भीतर एक अलग ही भावभूमि लिए हुए था।

सुबह नौ बजे से दोपहर 2:40 बजे तक का समय कब बीत गया, इसका अहसास तब हुआ जब प्रदर्शन का रोमांच मन में उतर चुका था। शरीर ने धूप की तपिश जरूर महसूस की, लेकिन मन में जो अनुभव संचित हुआ, उसने थकान को पीछे छोड़ दिया। काशी के लोगों का उत्साह याद रह जाएगा। वह भीड़, जो घंटों खुले आसमान के नीचे खड़ी रही; वे बच्चे, जिनकी आंखों में विमानों को देखने की चमक थी; वे बुजुर्ग, जो हर गर्जना पर आसमान की ओर दृष्टते थे; और वे युवा, जो शायद पहली बार इतने करीब से भारतीय वायुसेना की ताकत का अनुभव कर रहे थे। मेरे लिए यह दिन केवल विमानों की उड़ान देखने का दिन नहीं था। यह देश की तकनीकी क्षमता को महसूस करने, सैनिकों के अनुशासन को समझने और नारी शक्ति के बदलते स्वरूप को करीब से देखने का दिन था। राफेल की गर्जना ने आधुनिक वायुशक्ति का अहसास कराया। सुखोई की उड़ान ने गतिशीलता और ताकत का परिचय दिया। तेजस ने स्वदेशी तकनीकी पर गर्व करने का अवसर दिया। मिराज-2000, मिग-29 और जगुआर ने भारतीय वायुसेना की विविध क्षमताओं की याद दिलाई। सूर्यकिण के समन्वित प्रदर्शन ने अनुशासन की सुंदरता दिखाई और सारंग ने आकाश में कौशल के साथ राहत-बचाव की उपयोगिता का दृश्य प्रस्तुत किया। और स्व्वाइन लीडर अंकिता सिंह से बातचीत ने इस पूरे अनुभव को एक मानवीय अर्थ दिया। उनके माध्यम से महसूस हुआ कि व्दी के भीतर केवल एक अधिकारी नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यक्तित्व भी है, जो अपने सपनों, प्रशिक्षण और जिम्मेदारियों के साथ देश की सेवा कर रहा है। घर लौटते समय मन में एक ही विचार था—जिस देश की बेटीया आसमान में इतनी ऊंची उड़ान भर रही हों, उस देश का भविष्य उम्मीदों से भरा होना चाहिए। काशी की तपती धूप में बिताए वे साढ़े पांच घंटे मेरे लिए सिर्फ एक दिन की रीपॉर्टिंग नहीं थे। वे भारत के शौर्य, स्वदेशी क्षमता, सामूहिक अनुशासन और बदलती नारी शक्ति को अपनी आंखों से देखने का अनुभव थे। कुछ दृश्य कैमरे में कैद हो जाते हैं, कुछ शब्दों में उतर आते हैं और कुछ सीधे मन में जगह बना लेते हैं। नमो घाट पर बिताया यह दिन मेरे लिए इन्हीं यादगार अनुभवों में से एक रहेगा

आंका जा सकता। मिगज-2000, मिग-29 और जगुआर जैसे विमान भी अलग-अलग सामरिक भूमिकाओं में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। मिराज-2000 अपनी परिचालन विश्वसनीयता और सटीक प्रहार क्षमता के लिए जाना जाता है। मिग-29 अपनी गतिशीलता और हवाई मुकाबले की क्षमता के कारण विशिष्ट पहचान रखता है। दूसरी ओर, जगुआर मुख्य रूप से जमीन पर स्थित लक्ष्यों के विरुद्ध हमले और स्ट्राइक मिशन से जुड़ा विमान है। इन विमानों की भूमिका में अंतर है, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है—देश की सुरक्षा और वायुसेना की परिचालन क्षमता को मजबूत बनाना। किसी भी आधुनिक वायुसेना की वास्तविक ताकत उसके अलग-अलग विमानों, प्रशिक्षित पायलटों, तकनीकी कर्मियों और सामूहिक संचालन के बीच बने तालमेल से आकार लेती है। आसमान में विमानों की गर्जना सुनते हुए यही विचार बार-बार मन में आता है कि दर्शकों को कुछ मिनटों का रोमांच दिखाई देता है, लेकिन उसके पीछे वर्षों का प्रशिक्षण, अनुशासन और कठिन परिश्रम छिपा होता है।

मां गंगा को नमन, फिर राहत अभियान का अद्भुत दृश्य

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमाको दो अलग-अलग ध्रुवों के रूप में देखा जाता था। लेकिन वर्तमान दौर की महागाथाएं इन दोनों उद्योगों के सर्वश्रेष्ठ हुनर को एक पंख पर ला रही हैं। 'रामायण' इसका सबसे सटीक उदाहरण है, क्योंकि इस फिल्म में जहाँ हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिभाशाली और चर्छते अभिनेताओं से एक, रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में हैं, वहीं दक्षिण भारत की संस्कारी और सशक्त अभिनेत्री साई पल्लवी माता सीता के किरदार को जीवंत कर रही हैं, और कन्नड़ सिनेमा के वैश्विक रॉकस्टार यश रावण के रूप में अपनी दहाड़ लगाने के लिए तैयार हैं। यह महासंगम केवल कलाकारों का नहीं, बल्कि पूरे भारत के दर्शकों का है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक, पूरी फिल्म इंडस्ट्री अब यह समझ चुकी है कि 'सनातन संस्कृति' ही वह एकमात्र सूत्र है जो पूरे देश को एक धागे में पिरो सकता है। पैन-इंडिया फिल्मों का यह नया स्वरूप भाषाई दूरियों को मिटाकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सिनेमाई पदों पर साकार कर रहा है। फिल्म समीक्षकों और व्यापार विश्लेषकों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या धार्मिक फिल्मों का यह दौर केवल एक क्षणिक लहर है या फिर सिनेमाई व्यापार का एक नया और स्थायी स्तंभ है। इसका जवाब बहुत सीधा है कि यह लहर क्षणिक नहीं है, क्योंकि यह दर्शकों की बुनियादी मांग से पैदा हुई है। फिल्म निर्माताओं के लिए यह दौर अत्यंत मुनाफे का सौदा साबित हो रहा है, वशंत वे कानी की पवित्रता और भव्यता से समझौता न करें। जब कोई

फिल्म करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ती है, तो उसका बाजार का दायरा सामान्य फिल्मों की तुलना में कई गुना बड़ा हो जाता है। इस दौर ने यह भी साबित कर दिया है कि भारतीय सिनेमा अब पश्चिम के डार्क सिनेमा की नकल करने की बजाय अपनी खुद की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के लिए तैयार है। हमारे पास वेदों, पुराणों, उपनिषदों और इतिहास के रूप में कहानियों का ऐसा असीमित खजाना है, जिस पर आने वाले पचास सालों तक लगातार भव्य फिल्में बनाई जा सकती हैं।

संक्षेप में कहा जाए तो, 'रामायण' की एडवांस बुकिंग का यह जोरदार क्रैज और रु. 2,600 के पार पहुंची टिकटों की कीमतों इस बात का उद्घोष हैं कि भारतीय दर्शक अब जागृत हो चुका है और उसे अब सतही कहानियों से बहलाया नहीं जा सकता। वह भव्यता चाहता है। वह नैतिकता चाहता है, वह अपनी संस्कृति का सम्मान चाहता है और सबसे महत्वपूर्ण—वह सिनेमा के पर्दे पर अपनी वास्तविक पहचान को चमकते हुए देखना चाहता है। यह दौर फिल्म निर्माताओं के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। धार्मिक और पौराणिक फिल्में बनाते समय व्यावसायिक लाभ से ऊपर उठकर तथ्यों की सत्यता, पात्रों की गरिमा और जनमानस की आस्था का सम्मान करना सर्वोपरि होना चाहिए। यदि निर्माता इस जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाते रहे, तो भारतीय सिनेमा का यह 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' केवल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ेगा और वह दिन दूर नहीं जब दुनिया भर के सिनेमाघरों में भारतीय संस्कृति का डंका बजेगा।

अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस प्रदर्शन ने वायुसेना की उसी उपयोगिता को रेखांकित किया। एक ओर मां गंगा के प्रति श्रद्धा, दूसरी ओर आधुनिक तकनीक और सैन्य कौशल-काशी के परिवेश में यह दृश्य विशेष अर्थ ग्रहण कर रहा था। आस्था और आधुनिकता का यह मेल शहर की सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप भी था।

अंकिता सिंह से बातचीत: नारी शक्ति का नया आत्मविश्वास इस पूरे आयोजन में मेरे लिए एक अनुभव व्यक्तितग रूप से विशेष रहा—सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम की पायलट स्व्वाइन लीडर अंकिता सिंह से बातचीत। एक पत्रकार के रूप में किसी अधिकारी से बात करते समय सामान्यतः ध्यान उसके पद,

निर्वहन करती हैं। नारी शक्ति का अर्थ केवल किसी महिला का किसी पद पर पहुंच जाना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है—उसे अपनी क्षमता के अनुरूप अवसर मिले, वह अपनी योग्यता के बल पर पहचान बनाए और अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ सके। स्व्वाइन लीडर अंकिता सिंह से बातचीत ने इसी विचार को और मजबूत किया। उनके माध्यम से महसूस हुआ कि आधुनिक भारत की बेटीयां अपने परिश्रम, आत्मविश्वास और पेशेवर दक्षता से नए क्षितिज छू रही हैं। काशी की उस धरती पर, जहां शक्ति की आराधना की समृद्ध परंपरा रही है, एक महिला सैन्य पायलट से बातचीत का अपना अलग महत्व है। यह केवल एक साक्षात्कार नहीं था, बल्कि बदलते भारत की उस तस्वीर से रूबरू होने का अवसर था, जिसमें बेटीयां अपनी प्रतिभा और मेहनत से देश की ताकत बढ़ा रही हैं।

धूप में तपती काशी, गर्व से भरा मन

सुबह नौ बजे से दोपहर 2:40 बजे तक का समय कब बीत गया, इसका अहसास तब हुआ, जब प्रदर्शन के दृश्य मन में उतर चुके थे। शरीर ने धूप की तपिश जरूर महसूस की, लेकिन भीतर संचित अनुभव ने थकान को पीछे छोड़ दिया। काशी के लोगों का उत्साह याद रह जाएगा। वे बच्चे, जिनकी आंखों में विमानों को देखने की चमक थी; वे बुजुर्ग, जो हर गर्जना पर आसमान की ओर दृष्टते थे; वे युवा, जो मोबाइल कैमरे में इस ऐतिहासिक दृश्य को कैद कर रहे थे; और वे परिवार, जो घंटों धूप में खड़े रहकर अपने शहर के आसमान में देश की वायुशक्ति का प्रदर्शन देखना चाहते थे। मेरे लिए यह दिन केवल विमानों की उड़ान देखने का दिन नहीं था। यह देश की तकनीकी क्षमता को महसूस करने, सैनिकों के अनुशासन को समझने और नारी शक्ति के बदलते स्वरूप को करीब से देखने का दिन था। राफेल की गर्जना ने आधुनिक वायुशक्ति का अहसास कराया। सुखोई की उड़ान ने फुर्ती और ताकत की याद दिलाई। तेजस ने स्वदेशी तकनीकी पर गर्व करने का अवसर दिया। सारंग ने मां गंगा को नमन और राहत अभियान के प्रदर्शन से कौशल के साथ सेवा का संदेश दिया। और स्व्वाइन लीडर अंकिता सिंह से बातचीत ने इस पूरे अनुभव को मानवीय संवेदना से जोड़ दिया। घर लौटते समय मन में एक ही विचार था—जिस देश की बेटीयां आसमान में इतनी ऊंची उड़ान भर रही हों, उस देश का भविष्य उम्मीदों से भरा होना चाहिए। कुछ दृश्य कैमरे में कैद हो जाते हैं, कुछ शब्दों में उतर आते हैं और कुछ सीधे मन में जगह बना लेते हैं। नमो घाट पर बिताया यह दिन मेरे लिए इन्हीं यादगार अनुभवों में से एक रहेगा।



अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2026 में विक्रेताओं की बिक्री 3.5 गुना बढ़ी

मुंबई। अमेजन इंडिया के 'ग्रेट इंडियन फेस्टिवल' 2026 के पहले सप्ताह के दौरान देश भर के छोटे व्यवसायों ने मजबूत बिक्री दर्ज की। सामान्य दिनों की तुलना में विक्रेताओं की कुल बिक्री में 3.5 गुना का बढ़ोतरी हुई, जबकि उत्पाद दोगुनी से भी अधिक तेजी से बिके। नए विक्रेताओं ने बेची गई यूनिट्स में 2.5 गुना से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की, वहीं 10 लाख रुपये से अधिक की बिक्री करने वाले छोटे और मध्यम व्यवसायों की संख्या में 4 गुना से ज्यादा का उछाल आया। इस उत्सव में अमेजन पर अब तक की सबसे अधिक सेलर भागीदारी देखी गई, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष लगभग 30% की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें भाग लेने वाले 70% से अधिक व्यवसाय टियर-2 और टियर-3 शहरों से थे। यह शानदार प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब अमेजन बिक्री को आसान और अधिक किफायती बनाने के प्रयास लगातार जारी रखे हुए है, जिसमें 1,000 रुपये से कम कीमत वाले उत्पादों पर शुन्य रेफरल शुल्क भी शामिल है। अमेजन इंडिया के सेलिंग पार्टनर सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट सचिन कौशिक ने कहा, हर फेस्टिव टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। जयपुर, कोटा, नागौर और नादिया जैसे शहरों के उद्यमी आज ऐसे व्यवसाय खड़े कर रहे हैं, जिनकी पहुंच उनके स्थानीय बाजारों से काफी दूर-दूर तक फैले ग्राहकों तक है। अमेजन में हमारा मानना है कि जब हमारे विक्रेता सफल होते हैं, तभी हम सफल होते हैं। इसीलिए हम बिक्री शहरों में कदौती, आसान टुल्स और मार्गदर्शन के जरिए बिक्री को सरल और किफायती बनाने पर केन्द्रित हैं, ताकि हर आकार का कारोबार अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सके।अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2026 के पहले सप्ताह में नए और मौजूदा दोनों तरह के छोटे और मध्यम व्यवसायों ने रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की।

पुराने वाहनों की स्क्रीपिंग के लिए फोर्स मोटर्स की नई पहल

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी वैन निमाता और प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों में से एक, फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने पुराने और इस्तेमाल के लायक नहीं रहे वाहनों को सही तरीके से स्क्रेप करने और उनके रसाइकिलंग को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। इस पहल के तहत कंपनी अपने ग्राहकों को अधिकृत वाहन स्क्रेपिंग केंद्रों से जोड़ने में मदद करेगी। इस उद्देश्य के लिए फोर्स मोटर्स ने 'रोस्मार्ट ऑटो रीसाइकिलंग प्राइवेट लिमिटेड' के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। दिल्ली-एनसीआर से शुरू हो रही यह पहल ग्राहकों के लिए पुरानी गाड़ियों की स्क्रेपिंग प्रक्रिया को सुलभ और पारदर्शी बनाएगी। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'कमर्शियल व्हीकल रिप्लेसमेंट स्कीम' को सहयोग देने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, और यह साझेदारी उसी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। इस व्यवस्था के तहत पात्र फोर्स मोटर्स ग्राहकों को रोस्मार्ट की अधिकृत स्क्रेपिंग फैसिलिटी तक सीधी पहुंच प्रदानेगी। यहां वाहनों के आवश्यक दस्तावेज तैयार करने, हानिकारक पदार्थों को सुशुद्धित तरीके से निकालने, पुर्जे अलग करने और रीसाइकल करने योग्य धातुओं व सामग्रियों की रिकवरी की जाएगी। नियम लागू होने पर ग्राहकों को अधिकृत 'सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट' भी जारी किया जाएगा। इस पहल पर बोलते हुए फोर्स मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, प्रसन फिरोदिया ने कहा, 'एक फिलेमेदार वाहन निमाता के तौर पर हम मानते हैं कि वाहन की बिक्री और उपयोग के बाद भी हमारी भूमिका बनी रहती है। वाहन की उम्र पूरी होने के बाद उसका सही निपटारा (ऊर्सचइर्र') पर्यावरण और संसाधनों के लिए बेहद अहम है। इस पहल से हम अपने ग्राहकों के लिए अधिकृत स्क्रेपिंग की प्रक्रिया को आसान बना रहे हैं। यह कदम संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल और वाहन के पूरे जीवनचक्र में जिम्मेदार प्रक्रियाओं को अपनाने की दिशा में एक व्यावहारिक प्रयास है। कंपनी का उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में सफल क्रियान्वयन के बाद देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसी साझेदारियों की संभावनाएं तलाशना है, ताकि पूरे भारत में पुराने वाहनों की नियमबद्ध तरीके से स हटाने और कीमती धातुओं को रीसाइकल करने का चलन बढ़ सके।

रेडियो मिर्ची डांडिया में फिल्ममेकर गीतांजलि सिन्हा के पहले शब्दों के पीछे छिपी भावना

मुंबई/पटना। रेडियो मिर्ची के पटना में आयोजित डांडिया समारोह में दर्शकों को संबोधित करने से पहले फिल्ममेकर गीतांजलि सिन्हा ने काफी समय यह सोचने में बिताया कि उन्हें अपने संबोधन की शुरूआत किन शब्दों से करनी चाहिए। उनके लिए यह अवसर केवल अभिवादन तक सीमित नहीं था, बल्कि अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भावनात्मक पल था। अपनी आगामी फिल्म के मुख्य कलाकारों अमन और नूपुर के साथ अतिथि सम्मानित के रूप में आमंत्रित गीतांजलि जब संगीत, नृत्य और संस्कृति का उत्सव मनाने के लिए जुटे लोगों के सामने खड़ी हुईं, तो इस शाम का उनके लिए एक महारा कृतज्ञता अर्थ भी था। वह उस धरती का डांडी थीं, जहां उन्होंने सीखा, खुद को विकसित किया और फिल्ममेकर बनने का सपना पहली बार संजोया था। ये शब्द उस धरती के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति थे, जिस पर वह खड़ी थीं, और उन लोगों के प्रति आभार का प्रतीक थे, जो इस शाम को उनके साथ साझा करने के लिए एकत्रित हुए थे। यह बिहार के साथ उनके उस रिश्ते को दर्शाता है, जो केवल अतीत की यादों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके रचनात्मक फैसलों में भी दिखाई देता है। जब गीतांजलि ने फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखा, तो उन्होंने अपनी पहली फिल्म ये खुला आसमान की शूटिंग के लिए बिहार को चुना।

टाटा एआईए लाइफ ने बदले सुरक्षा के मायने; पॉलिसी के पहले ही दिन से मिलेगा 30 गुना लाइफ कवर

मुंबई/पटना। अधिकांश परिवारों के लिए, वित्तीय योजना का मतलब दो वादे निभाना है: भविष्य के लक्ष्यों के लिए बचत करना और किसी अनहोनी की स्थिति में अपने प्रियजनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित रखना। अक्सर ग्राहकों को इन दोनों में से किसी एक को चुनना पड़ता है—या तो वे कम लाइफ कवर वाले सेविंग प्लान चुनते हैं या फिर बिना किसी मैच्योरिटी लाभ वाले प्योर प्रोटेक्शन प्लान।

आज के परिवार दोनों चीजें चाहते हैं: पहले ही दिन से बड़ी सुरक्षा और भविष्य के लिए एक निश्चित गारंटीड फंड। इस नए बदलाव पर टिप्पणी करते हुए, टाटा एआईए लाइफ इंग्लैंडर्स की सीनियर वीपी और हेड ऑफ प्रोडक्ट मैनेजमेंट, श्रुति ओक ने कहा, 'रविवीथ योजना का असली उद्देश्य आज अपने अपनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कल की तैयारी करना है। फॉर्च्यून गारंटी सुप्रीम में किए गए इस बदलाव के साथ, हम गारंटीड बचत के भरोसे के साथ एक बड़े स्तर की सुरक्षा लेकर आए हैं।

पालघर जिले के 1200 स्कूलों में संपर्क स्मार्ट स्कूल उपक्रम,1561 डिवाइस और 1005 एलईडी टीवी वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा उनकी बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान को अब डिजिटल तकनीक की मजबूती मिली है। जिला परिषद पालघर के प्राथमिक शिक्षा विभाग ने संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से संपर्क स्मार्ट स्कूल उपक्रम के अंतर्गत जिले की 1200 स्कूलों में 1561 संपर्क डिवाइस और 1005 एलईडी टीवी वितरित किये हैं। इन डिजिटल संसाधनों के माध्यम से शिक्षकों की पाठ्यपुस्तकों एवं गतिविधि पुस्तिकाओं पर आधारित शिक्षण की अधिक प्रभावी, रोचक और विद्यार्थीकेंद्रित बनाने में मदद मिलेगी।

10 वर्षीय मासूम बेटी से दुष्कर्म करने वाले बाप को 20 साल की सश्रम कैद

भिवंडी। शहर के समीप शेलार गांव की सीमा में अपनी ही 10 वर्षीय मासूम बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले पिता को भिवंडी अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

न्यायाधीश एन. के. कारंडे की अदालत ने दोषी मनी तंदूनी शेठ्टी (35) पर 5 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उसे छह महीने का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 6 सितंबर 2019 की रात करीब 11:30 बजे शेलार गांव की सीमा में अतरपाड़ा स्थित एक झोपड़पट्टी में हुई थी। उस समय पड़ोस में रहने वाली एक महिला को पीड़िता के रोने और मारपीट की आवाज सुनाई दी। महिला ने आसपास की अन्य महिलाओं को साथ लेकर मामले की जानकारी ली। पीड़िता को विरवास में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपने

पिता द्वारा दुष्कर्म किए जाने की बात बताई। इसके बाद रविमणी विश्वनाथ तपकिरे की शिकायत पर भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी पिता मनी तंदूनी शेठ्टी को गिरफ्तार कर लिया था। मामले की सुनवाई भिवंडी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में हुई। जांच अधिकारी महिला पुलिस उपनिरीक्षक मेधा राणे तथा कोर्ट पैरवी से जुड़े पुलिसकर्मियों ने पुलिस उपाधीक्षक राहुल झालटे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हर्षवर्धन बारवे के मार्गदर्शन में मामले से संबंधित साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। सरकारी वकील चंद्रकांत नवले और विजय मुंडे ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध होने के बाद न्यायाधीश एन. के. कारंडे ने दोषी पिता को 20 वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल का शानदार प्रदर्शन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका और ठाणे जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 18 अक्टूबर 2026 को बी.एन.एन. कॉलेज मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में भिवंडी तालुका के 32 स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। अंडर-17 वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज की टीम ने बी.एन.एन. कॉलेज की टीम को 21-20 अंकों से पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, अंडर-14 वर्ग में विद्यालय की टीम ने तीसरा



स्थान प्राप्त किया। दोनों वर्गों की टीमों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर संभागीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। विद्यालय की इस प्रसन्नता पर प्रशिक्षक शिक्षक जाकिर अंसारी, मुसय्यब मोमिन और इकरा शेख सहित विजेता एवं सफल खिलाड़ियों को के.एम.ई. सोसाइटी के पदाधिकारियों,

डोंबिवली में युवक की हत्या का 24 घंटे में खुलासा, विष्णुनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

♦पुरानी रंजिश के चलते की गई हत्या;

तीन आरोपी गिरफ्तार, दो नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया
डोंबोवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में एक युवक की हत्या के मामले में विष्णुनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। शुरूआती जांच में हत्या के पीछे पुराना विवाद और आपसी रंजिश होने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, डोंबिवली में पुरानी दुश्मनी को लेकर हुए विवाद के बाद साहिल गायकवाड़ (26) नामक युवक पर चाकू से हमला किया गया, जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही विष्णुनगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विभिन्न पहलुओं से जांच करते हुए



आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने तकनीकी जांच और उपलब्ध सुरागों के आधार पर कार्रवाई करते हुए हरिंद गिरी, दिशांत गायकवाड़, कमलेश, वेदांत शेंडकर, चिराग सावंत सभी 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया जिसमे से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, इस वादात में शामिल दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता व गणितीय कौशल विकसित करने पर जोर



संख्यात्मक ज्ञान को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पिछले वर्ष जिले के 57 प्रतिशत विद्यार्थी निपुणता हासिल कर चुके थे। अब शेष विद्यार्थियों को भी इस स्तर तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से गतिविधि पुस्तिकाओं के पूरक के रूप में डिजिटल शैक्षणिक सामग्री का इस्तेमाल किया जायेगा। इस

पहल के तहत गणित और अंग्रेजी जैसे विषयों को दृश्य-श्रव्य माध्यमों से सरल एवं मनोरंजक तरीके से पढ़ाने पर जोर रहेगा। इससे कठिन अवधारणाओं को आसानी से समझने, कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा सीखने की प्रक्रिया को अधिक आनंददायी बनाने में मदद मिलेगी।

जिला परिषद के मुख्य

विद्याविहार रेलवे पलाईओवर का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों लोकार्पण, घाटकोपर में ट्रैफिक जाम से मिलेगी बड़ी राहत

♦विधायक पराग शाह ने जनप्रतिनिधियों, बीएमसी अधिकारियों और इंजीनियरों के प्रति जताया आभार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा पूर्ण किए गए तीन महत्वपूर्ण पलाईओवरों का गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्राताई पवार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह लोकार्पण समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्याविहार रेलवे स्टेशन के पास नवनिर्मित रेलवे पलाईओवर स्थल पर घाटकोपर पूर्व के विधायक पराग



शाह और मुंबई की महापौर रितुताई तावडे उपस्थित थीं। इस पलाईओवर के शुरू होने से घाटकोपर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा नागरिकों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। लोकार्पण किए गए तीन पलाईओवरों में विद्याविहार रेलवे स्टेशन के पास लाल बहादुर शास्त्री मार्ग और रामचंद्र चेंबूरकर

कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि पालघर जिले के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उसकी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान की क्षमताओं को विकसित करना निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। संपर्क स्मार्ट स्कूल उपक्रम के माध्यम से गतिविधि पुस्तिकाओं पर आधारित शिक्षण को डिजिटल शैक्षणिक सामग्री का सहयोग मिलेगा। उन्होंने शिक्षकों से उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का नियमित और प्रभावी उपयोग करने, विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष गतिविधियों एवं अभ्यास के अवसर प्रदान करने तथा सीखने की प्रक्रिया को आनंददायी बनाने का आह्वान किया। साथ ही सभी विद्यार्थियों को निपुण बनाने के लिए स्कूलों को योजनाबद्ध तरीके से

प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर ने कहा कि पिछले वर्ष निपुणता हासिल कर चुके विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को बनाये रखने के साथ-साथ शेष विद्यार्थियों को भी निपुण बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए शिक्षकों को गतिविधि पुस्तिकाओं और डिजिटल शैक्षणिक सामग्री का समन्वित उपयोग करना चाहिए तथा विद्यार्थियों की सीखने की जरूरतों के अनुसार अध्यापन पद्धति अपनानी चाहिए। जिला परिषद पालघर के प्राथमिक शिक्षा विभाग और संपर्क फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से संचालित यह पहल जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।



शाह ने परियोजना को पूरा करने में योगदान देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं के विकास के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय होने पर नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

इस कार्यक्रम में विधायक राजहंस सिंह, स्थायी समिति अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे, प्रभाग समिति अध्यक्ष अश्विनी मते, नगरसेवक धर्मेश गिरी, नगरसेवक सुरेश आवळे, नगरसेविका राखीताई जाधव, नगरसेविका अर्चना भालेराव, नगरसेविका निर्मिती कानडे, पूर्व नगरसेवक भालचंद्र शिरसाट और दीपकबाबा हांडे उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे सीकोस्ट के पदाधिकारियों का बोर्डसर दौरा

♦कंप्यूटर लैब, बाढ़ प्रभावित स्कूल की सहायता, कुपोषण उन्मूलन और मोची समाज के लिए दुकान निर्माण व अन्य

परियोजनाओं पर हुई चर्चा
पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोर्डसर-तारापुर के आग्रह पर रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे सीकोस्ट के रीगल प्रेसिडेंट रोटेरियन दिलीप ठाकर, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सुनील देवनानी तथा पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन रंजेश जी ने गुरुवार 22 अक्टूबर को बोर्डसर दौरा किया। इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक परियोजनाओं की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सराबरी स्थित दीप ग्लोबल स्कूल का दौरा किया। यहां विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंप्यूटर लैब स्थापित करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। रोटरी के माध्यम से विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा की बेहतर सुविधाएं विकसित करने तथा विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की दिशा में आवश्यक सहयोग जुटाने पर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने चिंचणी स्थित एम.बी. जोशी इंग्लिश मीडियम स्कूल का दौरा किया। बाढ़ से प्रभावित इस विद्यालय को आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारु रूप से जारी रखने में



सहयोग देने के विषय पर चर्चा की गई। विद्यालय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में सहायता उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

क्षेत्र में कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए डॉ. पराग कुलकर्णी के साथ विशेष चर्चा की गई। इस दौरान जरूरतमंद बच्चों एवं प्रभावित परिवारों तक पोषण संबंधी सहायता पहुंचाने तथा इस दिशा में प्रभावी सामाजिक परियोजना तैयार करने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। रोटरी के माध्यम से इस समस्या के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया। दौरे का एक महत्वपूर्ण विषय मोची समाज के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रस्तावित ड्रीम प्रोजेक्ट रहा। रोटरी के पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा ने इस परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अंतर्गत मोची समाज के जरूरतमंद लोगों को दुकान बनाकर उपलब्ध कराने की योजना पर चर्चा की गई, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपना व्यवसाय कर सकें और स्थायी आजीविका अर्जित कर सकें।

बैठक के दौरान रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे सीकोस्ट के रीगल प्रेसिडेंट रोटेरियन दिलीप ठाकर ने

अपने संबोधन में कहा कि बोर्डसर क्षेत्र में प्रस्तावित सभी परियोजनाएं सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन परियोजनाओं के संबंध में वे अपने क्लब के पदाधिकारियों एवं सहयोगियों के साथ चर्चा करेंगे तथा जरूरत के अनुसार सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करेंगे, ताकि अधिक से अधिक जनहितकारी कार्यों को साकार किया जा सके। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोर्डसर-तारापुर के प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण वैश्य, तत्कालीन प्रेसिडेंट एवं परियोजना समन्वयक रामनारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा, पास्ट प्रेसिडेंट जगदीश भूते तथा पास्ट प्रेसिडेंट अश्विनी सामंत सहित अन्य रोटेरियनों ने विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित चर्चाओं में सहभागिता की।

दौरे के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार और समाज के जरूरतमंद वर्गों के उत्थान से जुड़े अन्य सामाजिक कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभी ने मिलकर रोटरी के सेवा भाव को आगे बढ़ाने तथा जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पालघर का किसान बनेगा ऊर्जादाता, खेती के साथ बिजली पारेषण में भी देगा योगदान

पालघर(उत्तरशक्ति)। देश का पेट भरने वाला किसान अब ऊर्जा क्षेत्र के विकास में भी अहम योगदान दे सकेगा। गुजरात से महाराष्ट्र तक अक्षय ऊर्जा पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही खावड़ा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड की पारेषण परियोजना के माध्यम से पालघर के किसानों के लिए खेती के साथ ऊर्जा क्षेत्र के विकास में सहभागी बनने की संभावनाएं सामने आई हैं। इस परियोजना की पारेषण क्षमता सात गीगावाट है। कंपनी का कहना है कि परियोजना के विकास के दौरान किसानों की आजीविका और कृषि गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए

पारेषण सुविधाओं तथा खेती के बीच संतुलन बनाये रखने का प्रयास किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार बिजली पारेषण टावरों के निर्माण के लिए जमीन के एक सीमित हिस्से को उपयोग किया जाता है। टावरों के आसपास के पात्र क्षेत्रों और बिजली की तारों के नीचे सुरक्षा नियमों के पालन करते हुए खेती जारी रखी जा सकती है। हालांकि, टावरों के नींव वाले हिस्से में खेती करना संभव नहीं है। ऐसे में किसानों को परियोजना से संबंधित सुरक्षा मानकों और भूमि उपयोग की सीमाओं की स्पष्ट जानकारी देना जरूरी है। परियोजना के लिए जमीन के उपयोग से जुड़ी

सीमाओं को लेकर कंपनी ने स्पष्ट किया है कि जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार मुआवजा देने का प्रावधान है। किसानों को मुआवजे की प्रक्रिया, सुरक्षा नियमों और जमीन के उपयोग पर लागू प्रतिबंधों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान किसानों के हितों और उनकी आजीविका का ध्यान रखा जा सके। पालघर जिले के बालापुर निवासी किसान दामोदर रघुनाथ गायकवाड़ ने विकास परियोजनाओं के साथ किसानों की आजीविका और हितों का सम्मान बनाये रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति

फॅब्रीकेशन अॅण्ड गिलवर्क्स

PRAJAPATI

FABRICATION & GRILL WORKS

MANUFACTURERS OF

COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW

SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No.: 27ANKPP6297R1ZP

स्वामी: शरद फागुम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल भजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जबल, गेट क्रमांक 2, गोगेराव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रुम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को. ऑ. हॉ. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरगांव (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरवांदि तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में नकली मोबिल ऑयल के कारोबार का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली लुब्रिकेंट बेचने के अवैध कारोबार



का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। परिक्षेत्रीय DIG जौनपुर श्री वैभव कृष्ण के निर्देश पर जांच एजेंसी EIPR (India) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने कोतवाली और शाहगंज थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी कर तीन दुकानों से भारी मात्रा में नकली HPCL लुब्रिकेंट बरामद किया है। इस मामले में तीन दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार HPCL

कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में बताया गया था कि

जनपद में कुछ दुकानदार HPCL ब्रांड के नाम से मिलाता-जुलता नकली लुब्रिकेंट बेचकर कंपनी और ग्राहकों को धोखा दे रहे हैं। शिकायत की गंभीरता से लेते हुए DIG जौनपुर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के क्रम में EIPR और पुलिस की टीम ने शहर कोतवाली व शाहगंज थाना क्षेत्र में स्थित तीन प्रतिष्ठानों पर दबिश दी। तलाशी के दौरान दुकानों और गोदामों से

HPCL के नाम पर तैयार किया गया नकली लुब्रिकेंट, खाली डिब्बे, नकली स्टीकर और पैकिंग मशीनें बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान छोटेलाल यादव प्रो. आर. के. लुब्रिकेंट्स, विमल कुमार सिंह प्रो. श्याम ऑटोमोबाइल्स और सुभाष चंद्र सोनी प्रो. भारत बियरिंग स्टोर्स के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद माल को सीज कर आरोपियों के विरुद्ध कोपीराइट अधिनियम 1957 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में थाना कोतवाली और शाहगंज पर FIR No. 0256/2026 व 0362/2026 धारा 63 कॉपीराइट एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि नकली मोबिल ऑयल के इस्तेमाल से वाहनों के इंजन को गंभीर नुकसान होता है। आम जनता के साथ हो रही इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए भविष्य में भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय: विषम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म 30 तक भरे जाएंगे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर सत्र 2026-27 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तथा ऑनलाइन परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तय की गई है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद

31 अक्टूबर तक शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि

कुमार सिंह ने बताया कि स्नातक प्रथम व तृतीय सेमेस्टर तथा परास्नातक सातवें व नौवें सेमेस्टर संस्थागत, साथ ही स्नातक प्रथम व परास्नातक सातवें सेमेस्टर केरी फॉरवर्ड के फॉर्म समर्थ पोर्टल के

माध्यम से भरे जाएंगे। इसके अतिरिक्त स्नातक पंचम सेमेस्टर संस्थागत व केरी तथा छूटे हुए सेमेस्टर के फॉर्म पूर्व की भांति विश्वविद्यालय पोर्टल से भरे जाने हैं। परिणाम हेतु support@vbspu.ac.in पर ईमेल भेजा जा सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों व प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराएं, जिससे मुख्य परीक्षाएं समय पर आयोजित कराई जा सकें।

जौनपुर मेडिकल कॉलेज में बड़ी सफलता, 30 वर्षीय युवक की जटिल सर्जरी सफल

यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने किया हाइपोस्पेडियस विद कॉर्डों का सफल ऑपरेशन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में डॉक्टरों ने बड़ी सफलता हासिल की है। मछलीशहर निवासी 30 वर्षीय युवक की हाइपोस्पेडियस विद कॉर्डों नामक जन्मजात बीमारी की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई।



क्या है यह बीमारी 2: यह एक जन्मजात स्थिति है जिसमें पुरुष जननांग में मूत्रमार्ग का छिद्र सामान्य

जगह पर न होकर नीचे की ओर होता है और लिंग में असामान्य झुकाव होता है। इससे पेशाब करने में परेशानी होती है। इसका उपचार सर्जरी से किया जाता है। प्रधानाचार्य डॉ. आर.बी. कमल और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. ए.ए. जाफरी ने पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि अब जटिल रोगों का इलाज जौनपुर में ही संभव है, मरीजों को बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं है। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत स्थिर है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है।

बक्शा पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के आरोप में दो को किया गिरफ्तार, 23970 नकद बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी व अंग्रेजी शराब, बीयर, रु.23,970 नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

रूप में हुई है। मनीष यादव को दुकान का मालिक और गुलाबचन्द्र मौर्या



को सेल्समैन बताया गया है। पुलिस ने मौके से 30 ट्रेडर पैक मिर्च मसाला देशी शराब, आप्टर डाई ब्लू की 10, इम्पीरियल ब्लू की 15 और आइकॉनिक व्हाइट की 18

बोतलें बरामद कीं। इसके अलावा किंगफिशर स्टंग की दो और टुबॉर्ग प्रीमियम की छह बीयर भी बरामद हुईं। नकदी में मनीष यादव के पास से रु.10,520 और गुलाबचन्द्र मौर्या के पास से रु.13,450 मिले।

इस मामले में थाना बक्शा में मुकदमा अपराध संख्या 530/2026 के तहत धारा 60/64 आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रशान्त कुमार सिंह, कांस्टेबल हिमांशु सिंह और कांस्टेबल अम्बिकेश दीक्षित शामिल रहे।

तिलहन क्षेत्र की बढ़ोतरी हेतु फसल प्रदर्शन में चयनित किसानों को निशुल्क वितरण हुआ सरसों के बीज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के हरहुआ विकासखंड हरहुआ अंतर्गत प्रदेश सरकार की मंशानुसार तिलहन क्षेत्रफल की बढ़ोतरी हेतु फसल प्रदर्शन के अंतर्गत चयनित किसानों को सरसों की पीएम-32 प्रजाति का निःशुल्क वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा वाराणसी के महामंत्री प्रिंस चौबे ने प्रतिभाग किया। प्रिंस चौबे ने किसानों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बाजार में मिलने वाले मिलावटी एवं फास ऑयल के स्थान पर सरसों के शुद्ध तेल को अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी



(कृषि) कुदम सिंह ने बताया कि पीएम-32 प्रजाति में इशुरिक अम्ल कम मात्रा में होता है, तथा पशुओं के चारे हेतु उपयुक्त खली और तेल की प्रचुर मात्रा मिलती है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक पद्धति से बुआई से पेराई

तक की सभी गतिविधियां अपनाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में आंकाशा राय, नेहा प्राविधिक सहायक तथा गोदाम प्रभारी,बच्चुलाल राम सकल प्रसाद सहित क्षेत्र के चयनित किसान उपस्थित रहे।

सिपाह-मानिक चौक में धूमधाम से मनाया ऐतिहासिक दशहरा और भरत मिलाप

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने किया शुभारंभ, राम-भरत मिलन का भावुक दृश्य देख नम हुईं श्रद्धालुओं की आंखें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सिपाह स्थित मानिक चौक में श्री रामलीला एवं भरत मिलाप समिति के तत्वावधान में ऐतिहासिक दशहरा और भरत मिलाप समारोह धूमधाम से मनाया गया। भगवान श्रीराम और भरत के मिलन के भावुक दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आकर्षक धार्मिक झांकियों, रावण दहन और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव ने भगवान श्रीराम दरबार के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्श, मर्यादा, त्याग, प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा प्रत्येक व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने की सीख देते हैं। यदि

उनके जीवन मूल्यों को अपने आचरण में उतार लिया जाए तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

समारोह की शुरुआत भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध के मंचन से हुई। रोमांचक युद्ध के बाद रावण का वध किया गया और उसके पुतले का दहन हुआ। रावण दहन होते ही पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने विजयादशमी के पर्व पर असत्य पर सत्य की विजय का उत्सव मनाया। इसके बाद भरत मिलाप का मुख्य आयोजन हुआ। मानिक चौक से भरत और शत्रुघ्न की झांकी सिपाह चौराहे पहुंची, जहां भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की झांकी विराजमान थी। भगवान श्रीराम ने अपने अनुज भरत को गले लगाया तो दोनों भाइयों के मिलन का दृश्य देखकर श्रद्धालु भावुक हो उठे।

इस दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारों से गुंजता रहा। भरत मिलाप के बाद राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने

हुए मानिक चौक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। विभिन्न झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं।



भगवान श्रीराम, माता सीता और रामदरबार की आरती उतारकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

इसके बाद आकर्षक धार्मिक झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। सिपाह चौराहे से शुरू हुई शोभायात्रा मंच के सामने से गुजरते

सजीव प्रस्तुतियों और मनमोहक सजावट की देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे।

मेले में खानपान और खरीदारी को लेकर भी लोगों में खासा उत्साह रहा। दुकानों पर गुड़ही जलेबी, चाऊमीन, मोमोज, चाट और पानी

मछलीशहर की ऐतिहासिक भरत मिलाप का बहुत धूमधाम से हुआ समापन

अरशद अली मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की ऐतिहासिक भरत मिलाप का आयोजन 21 अक्टूबर 2026, बुधवार को बेहद ही भव्य और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।

मछलीशहर महासमिति के अध्यक्ष शीशोर गुप्ता और अन्य पदाधिकारियों ने पूरी जिम्मेदारी के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया और साथ में हर मंच पर जाकर चौकियों को सम्मानित व स्वागत किया। इस कार्यक्रम में नगर की कुल 13 चौकियां सामिल हुईं और सभी ने एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किया।

इस पावन और पारंपरिक उत्सव को देखने के लिए सैलानियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरी नगर पंचायत मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जयकारों से गुंज उठी।

कस्बे के विभिन्न मोहल्लों से आकर्षक झांकियां निकाली गईं, जिसे देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर सैलानियों की भारी भीड़ जमी रही। इस दौरान जैसे ही भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता का भरत और शत्रुघ्न से मिलन हुआ, उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें खुशी से छलक उठीं। इस अलौकिक दृश्य पर चारों ओर से पुष्पवर्षा की गई। कस्बे के चुंगी चौराहे पर हजारों सैलानियों ने मेले का आनंद उठा रहे थे इसी बीच में एम्बुलेंस वाहन आयीं और लोगों ने खुद ही रास्ता बनाकर वाहन को आगे बढ़ाया।

मछलीशहर क्षेत्राधिकार ,उप जिला अधिकारी ने



सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा,बीच बीच में प्रशासन जगह जगह गश्त करता रहा,जिससे भरत मिलाप शांतिपूर्ण और सीधादरूप माहौल में संपन्न हुआ।

चाकू से हमला करने वाले दो आरोपी 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे युवक पर मारपीट कर चाकू से हमला करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 21 अक्टूबर की रात माधुरी पत्नी राजेश बिंद, निवासी कालीकूती, जौनपुर ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से लौटते समय नगर पालिका परिषद के पास अज्ञात

लोगों ने उनके पति राजेश बिंद के साथ मारपीट की और चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

मामले में कोतवाली थाने में मुकदमा अपराध संख्या 0259/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुमित गौड़ (22), निवासी चितरसारी,

थाना कोतवाली तथा अरुण बिंद (20), निवासी मानेपुर (मीरपुर), थाना लाइन बाजार को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में राज कॉलेज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील यादव, कांस्टेबल राजनारायण यादव, नीरज गौतम और राहुल गुप्ता शामिल रहे। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पीयू में पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का हुआ आयोजन

उठें समाज के लिए, जगें राष्ट्र के लिएह के संदेश के साथ कुलपति ने ठरर स्वयंसेवकों को किया प्रेरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर में पूर्व गणतंत्र दिवस परेड 2026 हेतु चयन शिविर शुक्रवार 22 अक्टूबर 2026 को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के संरक्षकत्व में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों से आए 200 से अधिक स्वयंसेवकों तथा स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। चयन शिविर की शुरुआत वन्देमारा गीत से हुई उसके उपरांत मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ समरदीप सक्सेना, क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ, एवं श्री राजेश तिवारी, युवा अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ, उपस्थित रहे।

समयबद्धता और अनुशासन की आवश्यकता होती है। परेड में कदमों का तालमेल केवल शारीरिक अभ्यास नहीं है, बल्कि यह एकता, समन्वय और सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक भी है। युवा अधिकारी राजेश तिवारी ने प्रो आरडी परेड के बारे विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त माध्यम है। इसका उद्देश्य युवाओं को समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए

प्रेरित करना है। प्रो प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र 'मैं नहीं, बल्कि आप' हमें निःस्वार्थ सेवा और सामूहिक उत्तरदायित्व का

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशामुक्ति और सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

कुलपति प्रो राकेश कुमार सिंह ने कहा कि 'उठें समाज के लिए उठें-उठें, जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें।' हमें प्रेरित करती हैं कि हम व्यक्तिगत स्थायी से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करें। यह गीत केवल गाने के लिए नहीं, बल्कि अपने



का प्रतीक भी है। युवा अधिकारी राजेश तिवारी ने प्रो आरडी परेड के बारे विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त माध्यम है। इसका उद्देश्य युवाओं को समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए

संदेश देता है। एक सच्चा स्वयंसेवक वही है, जो समाज की समस्याओं को समझे, उनके समाधान के लिए आगे आए और अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बने। प्रो मनोज मिश्र ने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान में परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी शक्ति हैं। आप अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग समाज की समस्याओं के समाधान के लिए करें।

जीवन में उतारने के लिए है। जब हम समाज की समस्याओं के प्रति जागरूक होते हैं और उनके समाधान के लिए आगे आते हैं, तभी राष्ट्रीय सेवा योजना की भावना वास्तविक रूप में साकार होती है। मुझे विश्वास है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक इस भावना को अपने

आचरण में उतारते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनेंगे। चयन प्रक्रिया तिलकधारी पीजी कालेज के संगीत विभाग के डॉ.नरेन्द्र देव पाठक, 98 एनसीसी यूपी बटालियन, एनसीसी सुबेदार मनोज सिंह, सुबेदार की देख-रेख में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजश्री सिंह ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजिता पांडेय, डॉ अजय मौर्य, डॉ. अरविंद मिश्र, प्राचार्य, मां इसराजी देवी पीजी कॉलेज जौनपुर तथा महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश मौर्य, डॉ. सोमाराम प्रजापति, डॉ राजेश तिवारी, डॉ पवन सिंह, डॉ. प्रभात कुमार, श्री भुलन सिंह, डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. चित्रलेखा सिंह, डॉ. सुषमा शर्मा, मनीष कुमार, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ राशिकेश स्वयंसेवक सुमित सिंह, सत्यम सुंदरम मौर्य, हर्ष यादव, आंचल मौर्य, प्रियांशी मौर्य, प्रभात तिवारी, खुशी कन्नौजिया, श्रुति पाण्डेय, मुस्कान यादव सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

बाबा विश्वनाथ मंदिर में महिला श्रद्धालु का गुम हुआ 11,620 रुपये से भरा पर्स लौटाया



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आई एक महिला श्रद्धालु का गुम हुआ पर्स पुलिस ने बरामद कर उन्हे वापस सौंप दिया। पर्स में 11,620 रुपये नकद थे।

बाबा विश्वनाथ मंदिर में बुधवार की रात दस बजे सहारनपुर निवासी महिला श्रद्धालु माधुरी अग्रवाल का पर्स मंदिर के दक्षिणी गेट पर गिर गया था। इसकी जानकारी मिलने पर ड्यूटी पर तैनात गर्भ गृह प्रभारी एसआई गोकुल सिंह ने पर्स बरामद करते हुए कंट्रोल रूम को सूचना दिया। पर्स में कुल 11,620 रुपये थे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद पर्स महिला श्रद्धालु को सौंप दिया।

गंगा आरती में उमड़ा आस्था का सैलाब,भीड़ प्रबंधन में मुस्तैद रही पुलिस!



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में विश्व प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर गंगा का जलस्तर सामान्य होने के बाद गंगा आरती अपने मूल स्थान पर पुनः शुरू हो गई है।बुधवार को भी मां गंगा की भव्य आरती के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।आरती संपन्न होने के बाद एक साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के घाट से बाहर निकलने के दौरान भीड़ का दबाव बढ़ गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अनुल अंजान त्रिपाठी ने मौके पर मौजूद रहकर भीड़ की आवाजाही को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने की व्यवस्था संभाली। पुलिसकर्मी लगातार भीड़ को व्यवस्थित करने में जुटे रहे,ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। आस्था के हर विशाल जनसमूह के बीच पुलिस की मुस्तैदी और बेहतर भीड़ प्रबंधन श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिहाज से अहम रहा।

एचडीएफसी बैंक ने शानदार ऑफर के साथ फेस्टिव ट्रीट्स 2026 लॉन्च किया

पटना (उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक ने अपने सालाना फेस्टिव ट्रीट्स 2026 कैपेन के लॉन्च की घोषणा करके देश भर में त्योहारों के मौसम की शुरुआत की है। पूरे देश में चलने वाले इस सालाना कार्निवल में लोन, कार्ड, सेविंग्स और करंट अकाउंट और कार्ड पर इजी ईएमआई जैसे कई ऑफर शामिल हैं, जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारों की खरीदारी ज्यादा सस्ती और फायदेमंद हो जाती है। एचडीएफसी बैंक का इस साल फेस्टिव ट्रीट्स कैपेन ट्रीट विद ऑल योर हार्ट थीम पर आधारित है। ग्राहकों को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और डेबिट / क्रेडिट कार्ड पर इजी ईएमआई के जरिए त्योहारों की खरीदारी करने पर 70000 रुपये तक बचाने का मौका मिलेगा। एचडीएफसी बैंक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और ग्रुप हेड (ब्रांड, रिटेल मार्केटिंग और कस्टमर एनालिटिक्स) रवि संध्यानम ने कहा कि बड़े ब्रांड्स से शानदार डिस्काउंट और ईजी ईएमआई व एक्सप्रेस लोन जैसे आसान क्रेडिट सॉल्यूशन को मिलाकर, हम अपने सभी योग्य ग्राहकों के लिए क्रेडिट सुविधाओं को बेहतर बना रहे हैं। पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने से यह पक्का होता है कि देश के हर इलाके को कस्टमाइज्ड ऑफर मिलें, जिससे वे समझदारी से खर्च कर सकें और धूमधाम से जश्न मना सकें। हम अपने सभी ग्राहकों को एचडीएफसी बैंक के जरिए खरीदारी करते हुए ज्यादा से ज्यादा बचत का फायदा उठाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

विधान परिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को 14.81 लाख मतदाता करेंगे वोट

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पांच खंड स्नातक और छह खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के लिए एकत्रित मतदान होगा। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, कानपुर नगर, कानपुर देहात और उन्नाव को छोड़कर प्रदेश के सभी 72 जनपदों में मतदान कराया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इन चुनावों में कुल 14,81,310 मतदाता अपने मतधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके लिए 2,697 मतदान स्थल बनाए गए हैं। चुनाव मैदान में कुल 152 प्रत्याशी हैं। पांच खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, आगरा, मेरठ, वाराणसी और बरेली-गुरदाबाद शामिल हैं। वहीं, छह खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ, आगरा, मेरठ, वाराणसी, बरेली-गुरदाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद हैं। मतदान की शान्तिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने 11 प्रेक्षक तैनात किए हैं। इसके अतिरिक्त 1041 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 456 जोनल मजिस्ट्रेट भी लगाए गए हैं। मतदान स्थलों पर माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती के साथ वीडिओग्राफी की व्यवस्था की गई है। चुनाव प्रक्रिया के संचालन के लिए 1108 भारी वाहन, 1737 हल्के वाहन और 12,309 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। मतदाताओं को मतदान से पहले अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। यदि किसी मतदाता के पास यह पहचान पत्र नहीं है, तो वह निर्धारित वैकल्पिक दस्तावेजों में से किसी एक को दिखाकर अपनी पहचान साबित कर सकता है। इनमें आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों अथवा अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा कर्मचारियों को जारी सेवा पहचान पत्र, सांसदों-विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, संबंधित शिक्षक या स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक के रूप में मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान का पहचान पत्र, विश्वविद्यालय की डिग्री या डिप्लोमा का मूल प्रमाणपत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाणपत्र और विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) शामिल हैं। विधान परिषद के लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,16,491 वोटर मतधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए बनाए गए 259 बुथों पर बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे रमाबाई रैली स्थल से पोलिंग पार्टियां मतपेटिका और मतपत्र के साथ रवाना हुईं। जिलाधिकारी विशाख जी. ने बताया कि मतदान सुबह आठ से शाम चार बजे तक होगा।

पत्नी ने कलेक्ट्रेट में की आत्मदाह की कोशिश

संतकबीरनगर (उत्तरशक्ति)। जिला केसरी पहलवान ब्रह्मानंद यादव की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों ने बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना दिया। इस दौरान ब्रह्मानंद की पत्नी पुष्पा यादव ने अपने ऊपर डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों ने उनके हाथ से माचिस छीनकर उन्हे आग लगाने से रोक लिया। घटना के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर एएसपी कुशील कुमार सिंह और सीओ ग्रियम राजशेखर पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों को समझाने का प्रयास किया।

बीआरपी इंटर कॉलेज में श्रीराम जन्मोत्सव का प्रसंग सुन भावुक हुए श्रद्धालु, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा कथा पंडाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित श्रीराम कथा के दूसरे दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूज्य शांतनु जी महाराज के मुखारविंद से श्रीराम जन्म की मंगलमयी कथा सुनकर पूरा कथा पंडाल भक्तिमय हो गया। इस दौरान ह्वाजय श्रीराम और सिया राम, जय राम, जय जय राम के जयघोष से वातावरण गूंजाता रहा। भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की भक्ति ने कथा स्थल को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के सौजन्य से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं। कथा के दौरान महाराज जी ने भगवान श्रीराम के जीवन, उनकी मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श आचरण का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

शिव-पार्वती संवाद के माध्यम से दिया आध्यात्मिक संदेश

कथा के दौरान पूज्य शांतनु जी महाराज ने भगवान शिव और माता पार्वती के संवाद का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कैलाश पर्वत पर विराजमान भगवान शिव के प्रसंग के माध्यम से उन्होंने योग, साधना,



आत्मचिंतन और वैराग्य के महत्व को समझाया। महाराज जी ने कहा कि योग और साधना के माध्यम से मनुष्य अपने मन को एकाग्र कर आत्मिक शांति प्राप्त कर सकता है। जीवन में शांति और संतुलन बनाए रखने के लिए व्यक्ति को अपने विचारों तथा व्यवहार पर नियंत्रण रखना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अहंकार मनुष्य के पतन का प्रमुख कारण है। जब व्यक्ति अपने ज्ञान, पद, प्रतिष्ठा अथवा उपलब्धियों पर घमंड करने लगता है, तब उसका विवेक प्रभावित होने लगता है। इसके विपरीत विनम्रता, संयम और परोपकार मनुष्य को महान बनाते हैं। भगवान शिव का जीवन त्याग, करुणा, तपस्या और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को

सार्थक बना सकता है।

महाराज जी ने योग के आठवें अंग समाधि का उल्लेख करते हुए बताया कि साधना की सर्वोच्च अवस्था में साधक का मन गहन एकाग्रता और आध्यात्मिक अनुभूति से जुड़ता है। आध्यात्मिकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के विचारों, आचरण और जीवनशैली में भी दिखाई देनी चाहिए।

भक्ति की महिमा सुन भावुक हुए श्रद्धालु
पूज्य शांतनु जी महाराज ने भगवान और उनकी भक्ति की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि सच्ची भक्ति के लिए श्रद्धा, धैर्य, समर्पण और निरंतर साधना आवश्यक है। जब भक्त निर्मल हृदय से प्रभु का स्मरण करता है, तब उसके जीवन में प्रेम, करुणा और सकारात्मकता का

संचार होता है।

कथा के दौरान भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु भावुक हो उठे। भगवान श्रीराम के प्रति उनकी आस्था और समर्पण का दृश्य देखते ही बन रहा था। जय श्रीराम के उद्घोष और भजनों के बीच पूरा परिसर राममय हो गया।

महाराज जी ने समझाया कि प्रभु की प्राप्ति केवल बाहरी आर्डंबर से नहीं, बल्कि निर्मल मन, सच्चे आचरण और अटूट विश्वास से होती है। सच्ची भक्ति मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जो व्यक्ति अपने जीवन में प्रेम, सेवा, सद्भाव और करुणा को स्थान देता है, वही भक्ति के वास्तविक अर्थ को समझ पाता है।

देवर्षि नारद के प्रसंग से समझाया अहंकार का परिणाम
कथा के दौरान देवर्षि नारद के प्रसंग का उल्लेख करते हुए शांतनु जी महाराज ने अहंकार के दुष्परिणामों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति अपनी प्रशंसा सुनकर स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझने लगता है, तब उसका विवेक कमजोर पड़ने लगता है। देवर्षि नारद के प्रसंग के माध्यम से उन्होंने भगवान श्रीहरि की लीला और अहंकार के निवारण का संदेश दिया।

महाराज जी ने कहा कि प्रशंसा मिलने पर व्यक्ति को और अधिक

केराकत में युवा लेखक शक्तिमान मिश्रा के दूसरे उपन्यास कागज के मानुष का विमोचन

जितेन्द्र कनोजिया केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत में गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री कृष्णा कुमार जायसवाल के कर-कमलों द्वारा युवा लेखक शक्तिमान मिश्रा के दूसरे उपन्यास कागज के मानुष का विमोचन किया गया। केराकत की धरती से जुड़े युवा लेखक की इस नई कृति में समकालीन समाज की वास्तविकताओं और मानवीय संवेदनाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।

मूल रूप से केराकत, जौनपुर के निवासी शक्तिमान मिश्रा पेशे से बैंकर हैं, जबकि साहित्य क्षेत्र और कला में उनकी विशेष रुचि है। उनकी पहली पुस्तक अनहद – जो कभी ना टूटा मार्च 2026 में प्रकाशित हुई थी। अब उनका दूसरा उपन्यास



कागज के मानुष पाठकों के बीच आया है।

समाज की विसंगतियों को उजागर करता है उपन्यास

उपन्यास कागज के मानुष में पैसा, धर्म, मोक्ष, नशा, आरक्षण, गरीबी, भूख, बेरोजगारी, अधूरा प्रेम, माता-पिता, परिवार और सामाजिक विसंगतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उठाया गया है। लेखक ने इन विषयों के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं और मानवीय जीवन से जुड़े सवालों को सामने रखने का प्रयास किया है। लेखक का उद्देश्य साहित्य को केवल मनोरंजन का साधन बनाना नहीं, बल्कि इसके माध्यम से सामाजिक चेतना जागृत करना और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में लोगों को प्रेरित करना है। यह उपन्यास पाठकों को रिसतों,

सामाजिक मूल्यों और जीवन की वास्तविकताओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हुई पुस्तक विमोचन के साथ ही कागज के मानुष पुस्तकAmazon, Flipkart और Kindle सहित प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो गई है। केराकत से जुड़े युवा लेखक की यह नई कृति साहित्य जगत में उनकी रचनात्मक यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। कागज के मानुष के माध्यम से शक्तिमान मिश्रा ने समकालीन समाज की चुनौतियों, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को साहित्य के जरिए अभिव्यक्त करने का प्रयास किया है। उनकी इस कृति से पाठकों को समाज और जीवन को एक नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर मिलेगा।

गंगा के ऊपर गरजा राफेल, तिरंगे के रंगों से दमका काशी का आसमान

सुरेश गांधी वाराणसी(उत्तरशक्ति)। धर्म, अध्यात्म और ज्ञान की नगरी काशी ने गुस्वारा को भारतीय वायुसेना के शौर्य का ऐसा दृश्य देखा, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। गंगा के ऊपर पहली बार इतने व्यापक स्तर पर आयोजित विंस ओवर गंगा एयर शो में आधुनिक लड़ाकू विमानों की गर्जना और गंगा की लहरों का प्रवाह एक साथ देखने को मिला। नमो घाट मुख्य आयोजन स्थल बना तो दशाश्वमेध, अस्सी, चेतसिंह समेत शहर के प्रमुख घाट दर्शकों से भर गए। गंगा के उस पार भी बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक नजारे के साक्षी बने।

सुबह से ही लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। समय बढ़ने के साथ घाटों पर भीड़ बढ़ती गई। बच्चों की उत्सुकता, गुलाबों का रोमांच, बुजुर्गों की निगाहों में कौतूहल और मोबाइल कैमरों में हर पल को कैद करने की होड़ ने पूरे वातावरण को उत्सव में बदल दिया। चिलचिलाती धूप भी लोगों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। कई दर्शक घंटों तक अपनी जगह पर डटे रहे, ताकि आसमान में होने वाले इस अद्भुत प्रदर्शन का कोई दृश्य छूट न जाए। उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प, न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल और आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही लोगों की निगाहें आसमान पर टिक गईं। देखते ही देखते आधुनिक लड़ाकू विमानों की गर्जना गंगा के दोनों किनारों तक गूंजने लगी। राफेल ने अपनी तेज रफ्तार और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया तो सुखोई-30 एमकेआई ने अपने दमदार अंदाज से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मिराज-2000, मिग-29 और स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस जैसे विमानों की मौजूदगी ने भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता की झलक दिखाई। विमानों की सधी हुई उड़ान, निर्धारित मार्ग पर उनका सटीक संचालन और एक-दूसरे के साथ तालमेल देखकर दर्शक अभिभूत नजर आए। कभी विमान गंगा के ऊपर से गुजरते दिखाई दिए तो कभी ऊंचाई की ओर बढ़ते हुए आसमान में अपनी छाप छोड़ गए। इंजन की गूंज के बीच लोगों की तालियां और उत्साह भरे उद्घोष वातावरण में गूंजते रहे।

स्वदेशी तेजस की उड़ान ने विशेष आकर्षण पैदा किया। यह प्रदर्शन केवल गति और रोमांच का दृश्य नहीं था, बल्कि भारतीय विमानन तकनीक और देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं की झलक भी था। एयर शो का सबसे आकर्षक अध्याय सूर्य किरण एरोबैटिक टीम का प्रदर्शन रहा। टीम के विमानों ने अनुशासन, सटीकता और आपसी तालमेल के साथ आसमान में कई रोमांचक करतब दिखाए। एक साथ उड़ते

विमान कभी एक-दूसरे के निकट आते, कभी अलग दिशाओं में बढ़ते और फिर निर्धारित संरचना में लौटते दिखाई दिए। आसमान में बनती विमानों की आकृतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके पीछे बनती रंगीन लकीरों ने गंगा और घाटों के दृश्य को और भी आकर्षक बना दिया। तिरंगे के रंगों से सजे आसमान को देखकर लोगों ने तालियां बजाकर वायुयुद्धाओं का अभिवादन किया। सूर्य किरण की विशेषता केवल काबजाजी नहीं, बल्कि अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी विमानों के बीच सुरक्षित दूरी, गति और दिशा का सटीक तालमेल बनाए रखना है। काशी के ऊपर इसका प्रदर्शन वायुसेना के पायलटों के कठोर प्रशिक्षण और पेशेवर दक्षता की जीवंत उदाहरण बना। लड़ाकू विमानों के साथ हेलीकॉप्टरों का प्रदर्शन भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने स्वदेशी उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों के जरिए कौशल और समन्वय का प्रदर्शन किया। हेलीकॉप्टरों की सधी हुई उड़ान और एक साथ बदलती संरचनाओं ने आसमान में अलग ही दृश्य रचा। चिन्कू जैसे भारी परिवहन हेलीकॉप्टर की मौजूदगी ने भारतीय वायुसेना की सामरिक और परिवहन क्षमता की झलक दी। जहां लड़ाकू विमान अपनी गति और युद्धक कौशल के लिए आकर्षण बने, वहीं परिवहन विमान और हेलीकॉप्टरों ने

विनम्र तथा सावधान होना चाहिए। प्रशंसा को अपनी महानता का प्रमाण मानने के बजाय आत्ममंथन और जिम्मेदारी निभाने का अवसर समझना चाहिए। अहंकार व्यक्ति को उपलब्धियों को भी कमजोर कर सकता है, जबकि विनम्रता उसे सम्मान और सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है और धर्म की मर्यादा संकट में पड़ती है, तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतरित होकर धर्म की स्थापना और मानवता के कल्याण का संदेश देते हैं।

भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, सत्य, कर्तव्य और आदर्श आचरण का अनुपम उदाहरण है। उनके जीवन से प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का पालन करने तथा समाज में सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है।

श्रीराम जन्मोत्सव के प्रसंग से गूंजा कथा पंडाल

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का प्रसंग आते ही कथा स्थल का वातावरण उत्सास और भक्ति से भर गया। श्रद्धालु मंगलमयी कथा सुनकर भावविभोर हो उठे। जय श्रीराम के जयघोष, भजन और भक्तों की श्रद्धा ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

पूज्य शांतनु जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि श्रीराम

कथा का वास्तविक उद्देश्य केवल कथा सुनना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना है। सत्य, मर्यादा, सेवा, त्याग, प्रेम और विनम्रता को अपनाकर ही व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर चलने, परिवार में संस्कारों को महत्व देने तथा समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा दी।

एक करोड़ आठ लाख बार श्रीराम नाम लिखने का संकल्प

इस धार्मिक आयोजन की विशेष बात यह है कि एक करोड़ आठ लाख बार श्रीराम नाम लिखने का संकल्प भी लिया जाएगा। यह संकल्प प्रभु श्रीराम के प्रति श्रद्धा आस्था और समर्पण का प्रतीक है। श्रीराम नाम के स्मरण और लेखन के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, साधना और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर में चल रही श्रीराम कथा के दौरान श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ और भक्ति का वातावरण लोगों के बीच धार्मिक आस्था का संदेश दे रहा है। कथा के दूसरे दिन श्रीराम जन्मोत्सव का प्रसंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण कथा का श्रवण कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया

फिलपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल में सबसे कम कीमतों पर फोन खरीदने का मौका

गयाजी(उत्तरशक्ति)। मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया की अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने फिलपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2026 के दौरान हैशटैग#बिगबिलियनमोटोरोलीट्स के तहत अपने लेटेस्ट स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर विशेष त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है।

इस फिलपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल के तहत गिगयासियों को सबसे कम कीमतों पर फोन खरीदने का शानदार मौका मिल रहा है। मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन 30000 रुपये से कम कीमत में प्रीमियम फीचर्स की तलाश कर रहे ग्राहकों के लिए एक प्लेगशिप स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है।

के अनुशासन को सामने लाया गया। आयोजन के लिए देश के विभिन्न वायुसेना ठिकानों से विमान शामिल हुए। घोषित कार्यक्रम के अनुसार लगभग 100 विमान और हेलीकॉप्टरों की भागीदारी रखी गई थी। इनमें 52 लड़ाकू विमान, 15 परिवहन विमान, 32 हेलीकॉप्टर और एक विरासत विमान शामिल हैं। कार्यक्रम में वायुसेना के साथ थलसेना और नौसेना के कुछ विमान प्लेटफॉर्म की भागीदारी भी निश्चित थी। राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों से लेकर सी-17 ग्लोबमास्टर जैसे भारी परिवहन विमानों के सूर्य किरण व सारंग टीमों तक, इस आयोजन ने भारतीय सैन्य विमानन के अलग-अलग आयामों को एक मंच पर प्रस्तुत किया। एयर शो की विषयवस्तु काशी की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान से गहराई से जुड़ी रही। उद्घोषणा में काशी को ज्ञान, दर्शन, साधना और भारतीय सभ्यता की जीवंत धरोहर के रूप में रेखांकित किया गया। गंगा को निरंतरता, सांस्कृतिक विरासत और जीवन-मूल्यों का प्रतीक बताते हुए अनंत आकाश को साहस, आकांक्षा, नवाचार और भविष्य की ऊंचाइयों से जोड़ा गया। उद्घोषकों ने कहा कि गंगा की धारा भारत की प्राचीन सभ्यता की निरंतरता का प्रतीक है, जबकि आकाश नई संभावनाओं और असीम आकांक्षाओं का विस्तार है।



डॉ० मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ० अर्शु फेमल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी एवं जोड़ों रोग विशेषज्ञ
समय - सुबह ९ बजे से ६ बजे तक
(रविवार विसर)



डॉ० मोहम्मद वाहद खानवा
MBBS, DNB, MD (Lugnowa)
सुर, चैस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
समय - सुबह ९ बजे से ११ बजे तक
(रविवार, विसर)



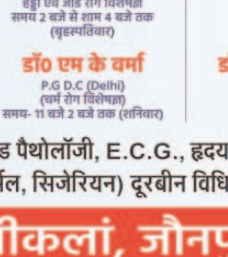
डॉ० यसीरा अक्ती
MBBS, MS (Jobi & Gyna Surgeon)
और स्त्री एवं मांसपेशी विशेषज्ञ (fertility)
समय - सुबह ९ बजे से ११ बजे तक
(रविवार, विसर)



डॉ. मोहम्मद अंजह
एम.बी.बी.एस.
जनरल फिजिशियन



डॉ० सुनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laprosopic Surgeon) on call



डॉ० एन के वर्मा
P.G.D.C. (Dentist)
(पॉस्ट ग्रेजुएट) विशेषज्ञ
समय - ११ बजे से २ बजे तक (रविवार)



डॉ० मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दंत रोग विशेषज्ञ)
समय - सुबह ९ बजे से ११ बजे तक
(रविवार, विसर)



डॉ० सना अब्दुल्लाह
(दंत रोग विशेषज्ञ)
समय - सुबह ९ बजे से ११ बजे तक
(रविवार, विसर)

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चैस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चादानी, हाइड्रोसेल का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकलां, जौनपुर **9451610571, 7380850571**



ए.एम. बजाज



मो अब्दुल गान्जि 8 मानी कलां, गुरेनो रोड, जौनपुर- 222139 9521032024, 9551316060, 9521739606

राम-भरत का मिलन... अश्रुधार में डूबी काशी, जय श्रीराम से गुंजा आसमान

वाराणसी। परे भूमि नहीं उठत उठाए, बर करि कृपासिंधु उर लाए। स्यामल गात रोम भए ठाढ़े, नव राजीव नयन जल बाढ़े... रामचरितमानस की इन चौपाइयों में वर्णित वह भावपूर्ण क्षण गुरुवार को एक बार फिर काशी की धरती पर साकार हो उठा। नाटी इमली के ऐतिहासिक मैदान में जैसे ही भगवान श्रीराम ने अनुज भरत को हृदय से लगाया, हजारों-लाखों आंखें नम हो उठीं। किसी के चेहरे पर आनंद की चमक थी, तो किसी की आंखों से अविरल अश्रुधारा बह रही थी। चारों भाइयों के इस अलौकिक मिलन के साथ मानो पूरा वातावरण राममय हो गया। हर ओर एक ही उद्घोष गुंज रहा था—हर-हर महादेव! सियावर रामचंद्र की जय! काशी की विश्वप्रसिद्ध नाटी इमली भरत मिलाप की लीला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सदियों से



चली आ रही आस्था, त्याग, भ्रातृप्रेम और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। यहां राम और भरत का मिलन देखने के लिए श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि गलियां, छतें, मकानों की मुंडेरें और मैदान का चप्पा-चप्पा लोगों से भर गया। जहां तक नजर जाती, वहां तक सिर ही सिर दिखाई दे रहे थे। घंटों से अपने स्थान पर डटे श्रद्धालु उस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे थे, जब चारों भाइयों का मिलन होगा। प्रतीक्षा लंबी थी, लेकिन आस्था का धैर्य उससे कहीं अधिक।

गोधूलि बेला में निर्धारित मुहूर्त का समय करीब आते ही श्रद्धालुओं की निगाहें लीला स्थल पर टिक गईं। आंखों में काजल, माथे पर चंदन, सिर पर लाल पगड़ी और पारंपरिक वेशभूषा में सजे राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूपों को देखने के लिए हर कोई आतुर था। फिर वह क्षण आया, जिसका इंतजार काशी की पूरे वर्ष रहता है। पुष्पक विमान के प्रतीक रथ से उतरकर प्रभु श्रीराम अपने प्राणप्रिय अनुज भरत से मिले। दोनों भाइयों का आलिंगन होते ही मैदान जयघोष से गुंज उठा। लक्ष्मण और शत्रुघ्न के मिलन ने भी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। यह दृश्य कुछ ही मिनटों का था, लेकिन इसकी अनुभूति देर तक लोगों के हृदय में ठहरी रही। चारों भाइयों के गले मिलने के साथ मानो रामायण का वह प्रसंग वर्तमान में उतर आया, जिसमें चौदह वर्षों के विरह, प्रतीक्षा, त्याग और प्रेम

का भाव एक आलिंगन में सिमट जाता है। श्रद्धालुओं के लिए यह केवल लीला का दृश्य नहीं, बल्कि उस आदर्श का स्मरण था, जिसमें सत्ता से बड़ा संबंध, अधिकार से बड़ा त्याग और विरह से बड़ा प्रेम है। चारों भाइयों के महामिलन के बाद नाटी इमली मैदान में पारंपरिक रीति से आरती उतारी गई। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूपों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। इसके बाद राजतिलक की रस्म ने लोगों की धार्मिक गरिमा को और बढ़ा दिया। जय श्रीराम के उद्घोष के बीच श्रद्धालु हाथ जोड़कर प्रभु के दर्शन करते रहे। कई लोग भावविभोर होकर नतमस्तक हो गए, तो अनेक श्रद्धालुओं ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में सहेज लिया। आयोजन स्थल के आसपास युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। रथ के साथ चलने, उसे खींचने और

उसके समीप पहुंचकर तस्वीर लेने के लिए युवाओं में होड़ लगी रही। कोई अपने साथियों के साथ सेल्फी ले रहा था, तो कोई रथ और चारों भाइयों के स्वरूपों को कैमरे में कैद कर रहा था। परंपरा की गंभीरता के बीच नई पीढ़ी का यह उत्साह काशी की सांस्कृतिक विरासत के प्रति उसके जुड़ाव को भी दर्शा रहा था। भरत मिलाप के दौरान रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। जैसे ही रथ आगे बढ़ा, उस खींचने और उसके साथ चलने के लिए युवाओं में उत्साह उमड़ा पड़ा। रथ के आसपास लोगों की भीड़ जुटी रही। पारंपरिक आयोजन में शामिल होने की खुशी उनके चेहरों पर साफ झलक रही थी। मोबाइल कैमरों और तस्वीरों के जरिए युवा इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाना चाहते थे। आयोजकों के मुताबिक, रथ करीब 200 वर्ष पुराना है और इसका लगभग छह टन बताया जाता है।

बलरामपुर में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, जिलाधिकारी की कार्यशैली पर उठाए सवाल



-नान बाबू चौहान
बलरामपुर। जिलाधिकारी की कार्यशैली को लेकर 21 अक्टूबर 2026 को कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। तुलसीपुर और उतरीला तहसील समेत जिला मुख्यालय के अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और नारेबाजी करते हुए जनसमस्याओं के समाधान में तेजी लाने की मांग उठाई। प्रदर्शन

कर रहे अधिवक्ताओं का कहना है कि आम जनता की समस्याओं की सुनवाई गंभीरता से होनी चाहिए और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजने की बात कही। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट मृगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रशासन की जनता और

अधिवक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका समयबद्ध समाधान करना चाहिए। प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ताओं ने कहा कि कई बार फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे आमजन को परेशानी होती है। उन्होंने प्रशासन से जनहित के मामलों में संवेदनशीलता बरतने और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने की मांग की। इस मामले में जिलाधिकारी डॉ विपिन कुमार जैन की ओर से कोई आधिकारिक बयान उपलब्ध नहीं है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जनशिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। जिलाधिकारी का पक्ष सामने आने के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

एमेजॉन और आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी ने पालघर, महाराष्ट्र में किसान दिवस मनाया



इस कार्यक्रम में शाहपुर चुनाव क्षेत्र के विधायक, माननीय श्री दौलत भीका दरोदा मौजूद थे। साथ ही, इसमें डॉ. अमोल वी. दहीफले, हेड, एग्रीकल्चरल रिसर्च स्टेशन, पालघर और डॉ. एस.एस. सईद, जूनियर एग्रोनोमिस्ट, एग्रीकल्चरल रिसर्च स्टेशन, पालघर एवं आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी वैज्ञानिकों एवं फील्ड टीमों, एमेजॉन के अधिकारियों और किसान समुदायों के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। इस ईवेंट में पालघर जिले में 1,500 हेक्टेयर में चलाए जा रहे एमेजॉन-आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी अभियान, रीजनलटैलैंडस्केप फॉर ट्रांसफॉर्मिंग स्मॉलहोल्डर एग्री-फूड सिस्टम्स की पहले साल की उपलब्धियां पेश की गईं। यह कार्यक्रम भूमि निम्नीकरण, पानी की कमी और विकेद्रीकृत, समुदाय आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए एमेजॉन और आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी द्वारा किए जा रहे कार्यों को उजागर किया गया।

अंतर्गत आज तक जल प्रबंधन के लिए 97 ठोस संरचनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। अनुराग खिलनानी, डायरेक्टर - डेटा सेंटर डिलीवरी, एपीएसी, एमेजॉन वेब सर्विसेज ने कहा, एमेजॉन भारत में वाटर पॉजिटिव हो चुका है। हम पानी की परियोजनाओं में निवेश कर रहे हैं, ताकि जल संसाधन मजबूत हों, जिससे स्थानीय समुदायों को मदद मिल सके। वैरणा रिवर बेसिन मुंबई में 30 प्रतिशत से अधिक पेयजल की आपूर्ति करता है। इसलिए यह हमारे जल संरक्षण अभियानों के लिए महत्वपूर्ण है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हमारा उद्देश्य स्थानीय किसानों को फसल की पैदावार बढ़ाने में मदद करना तथा हर साल अतिरिक्त फसलें उगाने में समर्थ बनाना है। साथ ही, हम वैरणा रिवर सिस्टम में हर साल 1,300 मिलियन लीटर पानी की भरपाई करेंगे, जो लगभग 6,000 परिवारों की सालाना पानी की जरूरत के बराबर है।

ग्रीनअरे लैब्स ने सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग को अधिक सुलभ बनाने के लिए एचपीवी सेल्फ-सैंपलिंग पद्धति की शुरुआत की

मुंबई। महिलाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ग्रीनअरे लैब्स ने सर्वाइसेन्स नामक योनि स्व-सैंपलिंग किट लॉन्च की है। इस किट की मदद से महिलाएं स्वयं अपना नमूना एकत्र कर सकती हैं, जिसके लिए नमूना लेते समय स्पेकुलम जांच की आवश्यकता नहीं होती। सर्वाइकल कैंसर को एचपीवी टीकाकरण, नियमित स्क्रीनिंग और समय पर उपचार के माध्यम से काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके बावजूद कई महिलाओं के लिए नियमित स्क्रीनिंग कराना आज भी चुनौती बना हुआ है। पारंपरिक नमूना संग्रह प्रक्रिया में आमतौर पर स्वास्थ्य केंद्र जाना, प्रशिक्षित



स्वास्थ्यकर्मी की सहायता लेना और स्पेकुलम की मदद से भिन्नक जांच कराना आवश्यक होता है। कुछ महिलाओं के लिए असहजता, झिझक, निजता से जुड़ी चिंताएं या स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुंच स्क्रीनिंग कराने में बाधा बन सकती हैं। सर्वाइसेन्स को नमूना संग्रह की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके माध्यम से महिलाएं अपनी निजता बनाए रखते हुए स्वयं योनि से

नमूना एकत्र कर सकती हैं। इसके बाद इस नमूने की प्रयोगशाला में उच्च जोखिम वाले एचपीवी संक्रमण के लिए जांच की जाती है, जो सर्वाइकल कैंसर के अधिकांश मामलों से जुड़ा हुआ है। ग्रीनअरे लैब्स के संस्थापक डॉ. संजय गुप्ते ने कहा, सर्वाइकल कैंसर उन कैंसर में से एक है, जिनकी समय पर स्क्रीनिंग से काफी प्रभावी अंतर पैदा किया जा सकता है। इसके बावजूद आज भी कई महिलाएं नियमित स्क्रीनिंग नहीं कराती हैं। इसका एक कारण यह भी है कि पारंपरिक नमूना संग्रह प्रक्रिया कुछ महिलाओं के लिए असहज हो सकती है या स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान नहीं होती।

पर्वई में 26 अक्टूबर से सजेगा रामलीला का मंच, 49 वर्षों की परंपरा जारी

-आचार्य सूरजपाल यादव
मुंबई/पर्वई। सार्वजनिक रामलीला समिति पर्वई की ओर से 49वें रामलीला महोत्सव का आयोजन 26 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक पासपोली गांव, निंटी, पर्वई में किया जाएगा। महोत्सव का उद्घाटन 26 अक्टूबर को रात 8 बजे होगा। इस दौरान चित्रकूट की प्रसिद्ध रामलीला मंडली के कलाकार भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियां देंगे। समिति की इस गौरवशाली परंपरा की शुरुआत वर्ष 1977 में संस्थापक स्वर्गीय

रामकिशोर यादव ने की थी। इस कार्य में स्वर्गीय बंसराज पांडेय का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। वर्ष 1987 में रामकिशोर यादव के निधन के बाद स्वर्गीय घनश्याम यादव ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और वर्ष 2023 तक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में उनके सुपुत्र निहाल घनश्याम यादव आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। महोत्सव को सफल बनाने में कार्यकारिणी सचिव राकेश अनिल पांडेय, वरिष्ठ सचिव एवं प्रमुख सलाहकार अहिल पांडेय,

समाजसेवक लालू प्रसाद यादव, कोषाध्यक्ष रामसहाय यादव, सुरेंद्र मिश्रा सहित समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। समिति का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। समिति ने श्रद्धालुओं और मुंबईवासियों से सपरिवार शामिल होकर रामलीला महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

मानीकलॉ में आरएसएस का भव्य पथ संचलन, 150 से अधिक स्वयंसेवकों ने किया शस्त्र पूजन

मानीकलॉ, जौनपुर (उत्तरांचल) । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 101वें वर्ष के उपलक्ष्य में सौंधी खंड की ओर से मानीकलॉ में भव्य शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। घोष की ताल पर अग्रशक्ति कदमताल करते स्वयंसेवकों का दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा। पथ संचलन के दौरान नगर के विभिन्न मार्गों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पूरे आयोजन में अनुशासन, संगठन और सामूहिक सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शैलेन्द्र ने शस्त्र पूजन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में शक्ति और संयम का विशेष



महत्त्व रहा है। शक्ति का उपयोग सदैव समाज और राष्ट्र के हित में होना चाहिए। उन्होंने भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध से पूर्व की गई शक्ति पूजा तथा मां दुर्गा द्वारा महिषासुर वध के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए समाज में शक्ति संयंच, आत्मबल और संगठन की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार

के जीवन चरित्र और उनके विचारों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने संघ की 101 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए समाज निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही सामाजिक समस्याओं, परिवार प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों से जुड़े पंच परिवर्तन के संकल्पों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य शिक्षक देवेन्द्र ने किया। इस दौरान भास्कर ने प्रार्थना, ओम ने अमृत वचन तथा सदीप और शुभम ने गणगीत गीत प्रस्तुत किया। हृदय नारायण के एकल गीत ने स्वयंसेवकों में उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम में ध्वज वाहक का दायित्व अमित ने निभाया। गण

शिक्षक के रूप में अवधेश, हरिओम, अर्जुन, विक्की और कृष्ण मुरारी ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। जिला घोष प्रमुख मुकेश के नेतृत्व में अवनीश और सुखम सहित अन्य घोष वादकों ने अनुष्णासित धुनें प्रस्तुत कीं। घोष की गुंज के साथ कदमताल करते स्वयंसेवकों ने पथ संचलन को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह और अनुशासन दिखाई दिया। शस्त्र पूजन के उपरांत शाम 5:30 बजे गंगा चबूतरा (गांधी चबूतरा) स्थित रामलीला मैदान से पथ संचलन प्रारंभ हुआ। पूर्ण गणवेश में पंक्तिबद्ध स्वयंसेवक निधिवरि मार्ग पर अनुशासन के साथ आगे बढ़े। संचलन श्रीराम जानकी मंदिर, सदर बाजार, डीह बाबा,

कच्चा पोखरा, रविदास चौक, एंजेंसी चौहा, अंबेडकर चौक (पुलिस चौकी) और पुरानी यूनियन बैंक मार्ग से होकर गुजरा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नगरवासियों ने स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पथ संचलन शाम करीब 6:30 बजे पुनः रामलीला मैदान पहुंचा, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान स्थानीय लोगों ने आयोजन में रुचि दिखाई और मार्ग पर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में खंड कार्यवाह अश्लेश, सह मंडल कार्यवाह रमेश, खंड संचालक संजेश, आशोक, अदेश चंद्र, साहुल, रौनक, विवेक और विपिन सहित अनेक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

सभी ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सहयोग दिया। पथ संचलन को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। मानीकलॉ की ईंचांज शैलेन्द्र राय के नेतृत्व में खेतासराय थाने के एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मीयों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। पुलिसकर्मीयों की तैनाती के बीच पथ संचलन निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग देने वाले नगरवासियों और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाहुबली पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह के सुपुत्र सिद्धार्थ सिंह ने व्यक्त की शोक संवेदना



भदोही। जनपद भदोही के दुर्गागंज क्षेत्र के भैथर गांव निवासी मनिक्से तिवारी के पिता स्वर्गीय कमलाशंकर तिवारी के निधन पर बाहुबली पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह के सुपुत्र युवा नेता सिद्धार्थ सिंह उनके आवास पर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। स दौरान सिद्धार्थ सिंह ने शोक संतपन अपनी सुलकागत कर उन्हें ढांडस बंधाया तथा इस दुख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं प्रकट की। इस अवसर पर मनिक्से तिवारी, विपुल तिवारी, मुन्ना सिंह, ब्रह्मेश तिवारी, अरुण तिवारी सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।